MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । रविवार, 22 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-318

मोदी सोना-सोणा

खरीदी कम की सलाह से बचे



लखनऊ, 21 नवंबर (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह के दौरान सोने की खरीदारी को लेकर अपनी पुरानी सलाह का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि करीब एक साल पहले उन्होंने देशवासियों से अपील की थी कि यदि बहुत जरूरी न हो तो सोना न खरीदें। उस समय कई लोगों ने उनकी बात का मजाक उड़ाया था, लेकिन अब लोग उन्हें बता रहे हैं कि उनकी सलाह मानने से उनके पैसे बच गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि देशवासियों ने उनकी बात मानी और सोने की खरीदारी कम की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश का भविष्य केवल डिग्री से नहीं, बल्कि हुनर से भी बनेगा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय कौशल विकास मंत्री जयंत चौधरी भी मौजूद रहे।

मेरी बात मानने से लोगों के पैसे बच गए : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि करीब एक साल पहले उन्होंने देशवासियों से अपील की थी कि यदि जरूरत न हो तो एक साल तक सोना न खरीदें। उस समय लोगों ने उनकी बात का मजाक उड़ाया था, लेकिन अब सोने की कीमतों में गिरावट के बाद कई लोग उनसे कह रहे हैं कि उनकी सलाह मानने से उनके पैसे बच गए। उन्होंने इस अपील की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की अपील से की। मोदी ने कहा कि शास्त्री जी ने एक समय देशवासियों से सप्ताह में एक दिन एक समय का भोजन छोड़ने की अपील की थी और देश ने उनकी बात मानी थी। उन्होंने कहा कि देशवासियों ने सोना कम खरीदने की उनकी अपील पर भी भरोसा किया।

डिग्री नहीं, हुनर भी जरूरी

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद भी देश लंबे समय तक गुलामी की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाया। इसी वजह से नौकरियों में डिग्री और प्रमाणपत्र को अधिक महत्व दिया गया, जबकि हुनर और कौशल पीछे छूटते गए।

उन्होंने दादाजी धर्माधिकारी की किताब का एक प्रसंग सुनाया। प्रधानमंत्री ने बताया कि एक स्नातकोत्तर युवक नौकरी की सिफारिश के लिए उनके पास पहुंचा था। वह बार-बार अपनी डिग्री का जिक्र कर रहा था। तब दादाजी धर्माधिकारी ने उससे पूछा कि उसे क्या काम आता है? क्या वह गाड़ी चला सकता है या खाना बना सकता है?

▶8पर

नीतीश से'तू'

बिहार में पीएम का अलग अंदाज



नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पटना पहुंचे, जहां उन्होंने नीतीश सेतु का उद्घाटन किया। कार्यक्रम से पहले हवाई अड्डे पर उनकी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात हुई। नीतीश सेतु पर प्रधानमंत्री मोदी बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ कदमताल करते नजर आए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान भी प्रधानमंत्री के साथ दिखाई दिए। हवाई अड्डे पर नीतीश कुमार से मुलाकात से लेकर पुल के उद्घाटन और नेताओं के साथ कदमताल तक बिहार की सियासत के दिग्गजों की ये तस्वीरें चर्चा का विषय बनी रहीं।

नीतीश सेतु के दोनों ओर आयोजन स्थल पर लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी। प्रधानमंत्री ने अपना गमछा लहराकर लोगों का अभिवादन किया। खास बात यह रही कि हवाई अड्डे पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर



चीन ना-पाक : ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिकी रिपोर्ट



नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।
ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान की मदद क्यों की थी? क्या इसके पीछे सिर्फ पाकिस्तान के साथ उसकी दोस्ती थी या फिर कोई बड़ी रणनीति भी थी? अमेरिकी कांग्रेस के एक पैनल की ताजा रिपोर्ट में इस सवाल का जवाब दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को सैन्य सहायता देकर भारत के बढ़ते प्रभाव को रोकने की कोशिश की थी। चीन की यह रणनीति केवल सैन्य मदद तक सीमित नहीं है। वह सीमा पर दबाव बनाने के साथ-साथ आर्थिक मोर्चे पर भी भारत को घेरने में जुटा है।

अमेरिकी पैनल ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि चीन एशिया में भारत की बढ़ती ताकत को अपने लिए चुनौती मानता है। इसी वजह से वह कई मोर्चों पर भारत को रोकने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, खुफिया जानकारी, समुद्री सुरक्षा और कारोबार से जुड़े सहयोग को बढ़ाने की आवश्यकता भी बताई गई है। अमेरिकी पैनल के मुताबिक, मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच तीन दिन तक चले संघर्ष ने चीन की रणनीति को उजागर किया। चीन ने सीधे लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया, ▶8पर

राजनीति में 'चहल'कदमी

भाजपा ओबीसी मोर्चा संभालेंगे



नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।
क्रिकेट के मैदान पर अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल अब राजनीति में भी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। चहल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। पार्टी ने उन्हें अपने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया है। इसके अलावा भाजपा ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के 37 सदस्य, सात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, तीन राष्ट्रीय महामंत्री और सात राष्ट्रीय सचिव भी नियुक्त किए हैं। ये नियुक्तियां पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने की हैं। चहल को यह जिम्मेदारी ओबीसी मोर्चा में किए गए नए बदलावों के तहत दी गई है। भाजपा ने मोर्चे की राष्ट्रीय टीम में कई नए चेहरों को जगह दी है। चहल के अलावा ओडिशा के प्रोफेसर अद्वैत चरण गडनायक और उत्तर प्रदेश की वकील सीमा समृद्धि कुशवाहा को भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। भाजपा में नई जिम्मेदारी मिलने से पहले चहल ने ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य से मुलाकात की थी। इसके बाद पार्टी की ओर से जारी नियुक्ति सूची में उनका नाम शामिल किया गया। इस सूची पर अमरपाल मौर्य के हस्ताक्षर हैं। चहल का नाम दिल्ली के अंतर्गत दर्ज किया गया है। भाजपा ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के लिए 37 सदस्यों के नाम भी घोषित किए हैं। ▶8पर

|| श्री गणेशाय नमः || ॐ श्री जीण भगवते नमः || श्री श्याम देवाय नमः || श्री हनुमंते नमः ||

भाग्यनगर (हैदराबाद)
के बेगम बाजार में
पाँच दिवसीय
प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

शुभस्थल :
खेमदास मठ (चूड़ी धाम)
चूड़ी बाजार, बेगम बाजार, हैदराबाद

रविवार 22 से गुरुवार 26
नवम्बर 2026

श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर

पावन सान्निध्य
महंत श्री डॉ. मनुदास निरंजनी स्वामी
मठाधीश खेमदास मठ

श्री जीण माता प्राण प्रतिष्ठा याज्ञआचार्य
पं. श्री भंवरलाल शर्मा
हैदराबाद

श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा याज्ञआचार्य
ज्योतिष गुरु वेद प्रकाश महमियाँ मुंबई

Food Partner
KAVITA CATERERS
Media Partner
CLICK MAGIK
Sound Partner
CAD CHAHAK AUDIO DIGITALS
Travel Partner
PADMAVATI TRAVELS

सभी भक्तों से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में
कलश-निशान शोभा यात्रा में भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त करें।

मंदिर संपर्क सूत्र
9704098987

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव
26 नवंबर 2026

श्री जीण माता का मंगल पाठ

रविवार दि.22-11-2026
सायं 7:00 बजे से
कथा वाचक
श्री आशीष देशवाल
चण्डीगढ़

प्रस्तुतकर्ता : जीण माई के लाड़ले, हैदराबाद

बैण्ड बाजा
अद्भुत झांकियाँ
रंगोली
भव्य श्रृंगार

कलश-निशान शोभा यात्रा

रविवार दि.22-11-2026 प्रातः 7:31 बजे से

महाभिषेक : प्रातः 7 बजे से महादेव मंदिर चारमीनार से

शोभा यात्रा मार्ग : भव्य कलश एवं निशान शोभायात्रा महादेव मंदिर, चारमीनार से प्रारंभ होकर गुलजार हौज, मदन भवन, चारकमान, सूरज भवन, घांसी बाजार, सिटी कॉलेज, भूलक्ष्मी माता मंदिर, बेगम बाजार छतरी होते हुए श्री खेमदास मठ बेगम बाजार पहुंचेगी। सभी भक्तो से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ावे ।

श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा की भव्य कलश एवं निशान शोभायात्रा में भाग लेने वाली समस्त माताओं, बहनों एवं पुरुष श्रद्धालुओं से सादर निवेदन है कि वे प्रातः 7:00 बजे महाअभिषेक में सम्मिलित होने हेतु समय पर पधारें एवं इस पावन धार्मिक अनुष्ठान का लाभ प्राप्त करें।

मुख्य अतिथि
श्री टी. राजा सिंह — विधायक, गोशामहल
श्री किरण खरे — डीसीपी, चारमीनार जोन
श्री अरुण डाकोतिया — चेयरमैन : पहाड़ी श्याम मंदिर सेवा समिति
श्री मोहम्मद गौस — पूर्व पार्षद, चारमीनार
श्री लड्डू यादव — भाजपा नेता

सम्माननीय अतिथि
श्री रामशरण महाराज — मुख्य पुजारी श्याम मंदिर
श्री इंद्रकरण अग्रवाल — चेयरमैन, श्री श्याम मंदिर सेवा समिति
श्री प्रेमसिंह राठौड़ — पूर्व विधायक
श्री राजेश गोयल — चेयरमैन, सांवरिया एलुकेशनल कंसल्टेंट
श्रीमती मेघारानी अग्रवाल — भाजपा नेत्री
श्री नीलेश अग्रवाल — अध्यक्ष, भारत घासी बाजार डिविजन

निवेदक : श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट
आजीवन सदस्य बनने एवं अन्य जानकारी हेतु सम्पर्क करें

गिरीश कुमार गुप्ता 9866433800
दिलीप कुमार जैन 9866991098
विनय जैन 9150000099
रमाकान्त गोयल 9391034050
दीपक गुप्ता 8008066000
प्रतीक कुमार नारसरिया 9247253655

सत्यनारायण राजेंद्र कुमार तुंदावाले
(सत्तू दादा)
A 201 Gvk Sky City Somajiguda, Hyderabad 500082

अमरनाथ दिलीप कुमार जैन
पुरणमल सुमेर चंद जैन
हैदराबाद

नागरमल ओमप्रकाश पंच बसईवाले
RK AGARWAL STORES (Wholesale Kirana Merchant)
Address : 2nd Gate Malakpet Gunj, Hyderabad 500036
Ramakanth Goel : 9391034050, Shashikanth Goel : 9440203004, Shyam Agarwal : 9866584420

AMRITSAR HAVELI
WORLD RECORD HOLDER RESTAURANT CHAIN
Kitty Party | Birthday Party | Corporate Meetings
THE KING OF AMRITSARI KULCHA
FOR RESERVATION - BANQUET & RESTAURANT CALL 9281411691
2ND FLOOR, LEGEND BLUE HOPE, TILAK ROAD, ABOVE MAX SHOWROOM ABIDS, HYDERABAD



रूस, चीन, ईरान और उत्तर कोरिया के खिलाफ ब्रिटेन चलाएगा आक्रामक साइबर आपरेशन

लंदन

ब्रिटेन ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि वह रूस, चीन, ईरान और उत्तर कोरिया के खिलाफ आक्रामक साइबर आपरेशन चला रहा है। ब्रिटेन के एक वरिष्ठ सैन्य कमांडर ने कहा है कि देश की नेशनल साइबर फोर्स इन देशों से बढ़ते साइबर खतरों का जवाब देने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। इसके साथ ही संगठित अपराध समूहों और आनलाइन अपराधियों को भी निशाना बनाया जा रहा है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, ब्रिटेन की साइबर एंड स्पेशलिस्ट आपरेशंस कमांड के प्रमुख जनरल राब मैगोवन ने स्काई न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में इसकी पुष्टि की। इस साल की शुरुआत में पद संभालने के बाद यह उनका पहला इंटरव्यू था।

मैगोवन ने कहा कि आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या नेशनल साइबर फोर्स आक्रामक साइबर आपरेशन चलाती है, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बिल्कुल, ब्रिटेन इस बारे में पहले से ही अपना रुख स्पष्ट करता रहा है।

जनरल मैगोवन ने रूस, चीन, ईरान और उत्तर कोरिया का जिक्र करते हुए कहा कि ये देश ब्रिटेन की जीवनशैली और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये देश साइबर क्षेत्र में लगातार आपरेशन चला रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो देश साइबर क्षेत्र में ब्रिटेन के खिलाफ आपरेशन चलाएंगे, उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। नेशनल साइबर फोर्स का काम ऐसे खतरों का मुकाबला करना और विरोधियों को जवाब देना है।

मैगोवन ने बताया कि नेशनल साइबर फोर्स का काम केवल विदेशी देशों तक सीमित नहीं है। यह संगठित अपराध समूहों और इंटरनेट के जरिए लोगों को नुकसान पहुंचाने वाले अपराधियों के खिलाफ भी कार्रवाई करती है। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों को आनलाइन नुकसान पहुंचाने वाले अपराधियों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करना भी फोर्स की रणनीति का हिस्सा है।

ब्रिटेन की नेशनल साइबर फोर्स को लेकर यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है, जब इसी सप्ताह किंग चार्ल्स ने लंकाशायर के सैमलेसबरी में इसके नए मुख्यालय का आधिकारिक उद्घाटन किया।

फोर्स के अधिकांश आपरेशन गोपनीय रखे जाते हैं। इसका ज्यादातर काम ब्रिटेन में स्थित केंद्रों से संचालित होता है, जिनमें सैमलेसबरी का रिबल हाउस भी शामिल है।

मैगोवन के मुताबिक, नेशनल साइबर फोर्स विरोधी नेटवर्क की जानकारी जुटाने और उनके सिस्टम के भीतर अपनी मौजूदगी स्थापित करने के लिए कंप्यूटर नेटवर्क एक्सप्लायटेशन जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा कि इस क्षमता के जरिए विरोधियों के नेटवर्क और उनकी संरचना को समझकर साइबर क्षेत्र में प्रभावी कार्रवाई की जा सकती है।

जनरल मैगोवन ने ब्रिटेन के सामने मौजूद साइबर खतरों को काफी गंभीर बताया। उनके अनुसार, देश की आक्रामक साइबर क्षमताएं उभरते खतरों का मुकाबला करने और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सैन्य विकल्प उपलब्ध कराती हैं।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में हिंसा के बीच शेख हसीना चाहती हैं लौटना, रहमान सरकार अपना रही सख्त रुख



ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना ने ढाका लौटने का ऐलान के बाद देश में कोहराम मच गया। जगह-जगह बम धमाकों की खबर है। सड़कों पर उत्पात शुरू हो गया है। यहां कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि आगजनी और तोड़फोड़ में हसीना की पार्टी आवामी लीग का हाथ है, वहीं दूसरी तरफ यह खबरें भी सामने आई हैं कि आवामी लीग के नेताओं पर भी हमले हुए हैं। इन सब के बीच भी हसीना बांग्लादेश लौटना चाहती हैं। बता दें शेख हसीना देश में शुरू हुए हिंसक छात्र आंदोलन के बाद भारत आ गई थीं। तब से वह भारत में रह रही हैं। इस बीच बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार लगातार भारत से उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रही है। हालांकि भारत ने साफ किया है कि वह सभी कानूनी प्रक्रियाओं को देखते हुए ही उचित कदम उठाएगा। इन सब के बीच से हसीना को बांग्लादेश में फांसी की सजा या मृत्युदंड दिया जा चुका है। उन्हें छात्र आंदोलन के दौरान छात्रों पर हिंसक कार्रवाई करने के आदेश देने के आरोप में मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी ठहराया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश की सरकार ने कई बार कहा कि शेख हसीना के लौटते ही उन्हें सजा देने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके बावजूद हसीना ने कहा है कि वे अपने वतन जरूर लौटेंगी। बीते दिनों उन्होंने दोहराया है कि वे किसी भी हाल ही में दिसंबर में ढाका लौटेंगी। इसे लेकर अब हसीना बांग्लादेश सरकार से पासपोर्ट की मांग कर रही हैं।

बच्चे को खेल-खेल में मिला बेहद दुर्लभ कोनुलेरिड जीवाश्म

वाशिंगटन। पार्क में खेल रहे बच्चे ने एक पत्थर के नीचे से 50 करोड़ साल पुराना बेहद दुर्लभ कोनुलेरिड जीवाश्म खोज निकाला। यह घटना है अमेरिका के नेब्रास्का शर की, जहां एक 6 साल के छोटे से बच्चे ने कमाल कर दिया है। बच्चे के हाथ लगे इस अजीब और प्राचीन फासिल ने पिछले 55 सालों का सूखा पूरी तरह खत्म कर दिया है, क्योंकि नेब्रास्का में इतने लंबे समय से ऐसा कोई नया जीवाश्म दर्ज नहीं किया गया था। इस अनोखी खोज को देखकर बड़े-बड़े वैज्ञानिक भी हैरान रह गए हैं, क्योंकि यह धरती के प्राचीन समुद्री इतिहास और पुराने रहस्यों से जुड़े कई नए राज सामने ला सकती है। यह हैरान कर देने वाली घटना नेब्रास्का की है, जहाँ एक छोटा सा लड़का पार्क में रैपिटंग एंड राक्स नाम के एक कार्यक्रम में हिस्सा ले रहा था। पार्क की चूना पत्थर वाली चट्टानों के बीच वो जीवाश्म तलाश रहा था। खेलते-खेलते उसकी नजर एक साधारण से दिखने वाले पत्थर पर पड़ी, जिस पर कुछ अजीब सी चमचमाती और उभरी हुई लाइनें बनी थीं। जैसे ही उसने उस पत्थर को उठाया, उसे उस पर एक बहुत ही अलग और अनोखा डिजाइन दिखाई दिया। बच्चे ने बिना देर किए उस अजीबोगरीब पत्थर को वहाँ मौजूद एक आउटडोर एजुकेशन स्पेशलिस्ट केली इक्यू को लाकर दिखाया। केली पार्क में आने वाले बच्चों को जीवाश्म ढूंढने में मदद करती हैं।



विरान हो रहे जापान के एक गांव में पुतलों ने जगाई रौनक

टोक्यो। जापान के वीरान हो रहे गांव में रौनक वापस लाने के लिए स्थानीय कलाकार सुकिमी अयानो ने एक असाधारण कदम उठाया है। कभी इस गांव की आबादी 300 से अधिक हुआ करती थी, लेकिन आज यहाँ 30 से भी कम लोग बचे हैं। उन्होंने गांव छोड़कर जा चुके या दुनिया से विदा ले चुके लोगों की याद में 350 से ज्यादा आदमकद पुतले बनाकर पूरे गांव में बैठा दिए हैं। जापान के शिकोकू पहाड़ों में बसा अनोखा गांव नागोरो, अब इंसानों से ज्यादा पुतलों के लिए जाना जाता है। ये पुतले सिर्फ सजावट के लिए नहीं हैं, बल्कि गांव के पुराने लोगों की जिंदा यादें हैं। अकेलेपन से लड़ने के लिए बनाए गए ये पुतले जापान के ग्रामीण इलाकों में बढ़ती जनसांख्यिकीय समस्या की एक मार्मिक तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। साल 2000 की शुरुआत से, जब लोग रोजगार की तलाश में शहर जाने लगे या बुजुर्गों का निधन होने लगा, तो गांव तेजी से खाली होने लगा। इसी कमी को पूरा करने के लिए अयानो ने अपने हाथों से पुतले तैयार किए। इस अनोखी कहानी की शुरुआत साल 2002 के आसपास हुई, जब अयानो ओसाका में अपनी जिंदगी बिताने के बाद अपने बुजुर्ग पिता की देखभाल के लिए वापस गांव लौटी थीं। शुरुआत में उन्होंने ये पुतले किसी की याद में नहीं बनाए थे, बल्कि अपने बगीचे की सब्जियों को कौवों से बचाने के लिए एक बिजूका बनाया था और उसे अपने पिता के पुराने कपड़े पहना दिए थे। वह पुतला उनके पिता से इतना मिलता-जुलता था कि गुजरने वाले पड़ोसी उसे असली समझकर नमस्ते करने लगे, जिससे अयानो को और पुतले बनाने की प्रेरणा मिली। हर पुतला किसी ऐसे व्यक्ति की शक्ल पर बनाया गया है जो या तो मर चुका है या गांव छोड़कर जा चुका है, और उन्हें उन्हीं जगहों पर रखा गया है जहाँ वे पहले काम करते थे।

पाकिस्तान का जल संकट : भारत पर दोष मढ़ने के बजाय अपने ही गिरेबां में झाँके

पूर्व मंत्रियों, जल विशेषज्ञों, पूर्व राजनयिकों की शाहबाज को सलाह

कराची



पाकिस्तान में जल संकट लगातार बढ़ता जा रहा है, और इसके लिए भारत को जिम्मेदार ठहराने की इस्लामाबाद की दलीलों पर अब खुद पाकिस्तानी विशेषज्ञ ही सवाल उठा रहे हैं। देश के पूर्व मंत्रियों, जल विशेषज्ञों, पूर्व राजनयिकों और सेना के रिटायर्ड अधिकारियों तक ने इस पर बयान दिए हैं। उनका स्पष्ट मत है कि देश में पानी की समस्या भारत की वजह से नहीं, बल्कि अपनी बदहाल व्यवस्था, पानी की भीषण बर्बादी और प्रांतों के बीच मौजूदा विवादों के कारण पैदा हुई है। दरअसल, भारत ने 23 अप्रैल 2025 को सिंधु जल संधि में अपनी भागीदारी अस्थायी रूप से स्थगित कर दी थी, जिसके बाद से पाकिस्तान लगातार आरोप लगा रहा है कि भारत उसका पानी रोक रहा है। पाकिस्तान में पानी की सबसे ज्यादा खपत कृषि क्षेत्र में होती है। जल विशेषज्ञ डा. इमरान अजीज टूनियो के मुताबिक, देश के ताजे पानी का 90 फीसदी से भी अधिक हिस्सा खेती में उपयोग होता है, जबकि सिंचाई व्यवस्था की क्षमता 40 फीसदी से भी कम है, जो अक्षमता का स्पष्ट प्रमाण है।

पंजाब के पूर्व सिंचाई मंत्री मोहसिन लेघारी ने बताया कि नहरों से छोड़े गए पानी का करीब आधा हिस्सा रिसाव के कारण खेतों तक पहुंचने से पहले ही बर्बाद होता है। पाकिस्तानी लेखक नसीर मेमन ने प्रमुख अखबार में लिखा कि नहरों के मुहाने पर उपलब्ध 143 अरब घन मीटर पानी में से केवल 55 अरब घन मीटर का ही फसलों के लिए सही इस्तेमाल होता है। पाकिस्तान में चावल, गेहूं, गन्ना और कपास जैसी चार प्रमुख फसलें देश के कुल पानी का 80 फीसदी से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। जल व्यवस्था में सरकारी लापरवाही भी एक बड़ी समस्या है। लेघारी के अनुसार, जनवरी 2018 से देश में सिंधु जल आयुक्त का पूर्णकालिक पद खाली है। इसके अतिरिक्त, जल संसाधन मंत्रालय में समर्पित संघीय सचिव की कमी है और राष्ट्रीय जल परिषद की अक्टूबर 2018 के बाद से कोई बैठक नहीं हुई है। लेघारी ने तीखी टिप्पणी की कि पाकिस्तान अपने यहां पारदर्शिता की कमी को नजरअंदाज करके दूसरे देशों से पारदर्शिता की मांग नहीं कर सकता। पानी के बंटवारे को लेकर पंजाब और सिंध के बीच के पुराने विवाद भी संकट को और विकट बना रहे हैं। उदाहरण के लिए, सिंध के कोटरी बैराज से नीचे की ओर पानी का बहाव शून्य था, जबकि तरबेला बांध में पानी जमा किया जा रहा था और लिंक नहरों से पानी दूसरी जगहों पर भेजा जा रहा था।

कुछ विशेषज्ञ पाकिस्तान में पानी की वास्तविक कमी के दावे पर सवाल उठाते हैं। जल विशेषज्ञ डा. हसन अब्बास ने 2018 में लिखा था कि पाकिस्तान को घरेलू जरूरतों, उद्योगों और खाद्य उत्पादन के लिए सालाना 7.7 करोड़ एकड़ फीट से कम पानी की आवश्यकता है, जबकि उसकी नदियों में करीब 14.5 करोड़ एकड़ फीट पानी आता है।

ओलिविया रोड्रिगो के लिए इस बार ग्रैमी अवार्ड्स बना बेहद खास

लास एंजेलिस। अमेरिकी गायिका और गीतकार ओलिविया रोड्रिगो के लिए इस बार ग्रैमी अवार्ड्स का नामांकन बेहद खास बन गया है। उन्हें सात अलग-अलग श्रेणियों में नामांकन मिला है। इस उपलब्धि से उत्साहित ओलिविया ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि उनके एल्बम को इतने बड़े मंच पर पहचान मिलना उनके लिए बेहद सम्मान की बात है। खास बात यह है कि मशहूर ब्रिटिश गायक राबर्ट स्मिथ के साथ उनके गाने व्हाट्स रान्ग विद मी को भी दो श्रेणियों में नामांकन मिला है। ओलिविया ने इसे अपने सपने के सच होने जैसा अनुभव बताया। ओलिविया ने इंस्टाग्राम पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए लिखा कि सुबह उठने के बाद जब उन्हें सात नामांकनों की जानकारी मिली, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने कहा कि उन्हें अपना यह एल्बम बेहद पसंद है और इसे संगीत की दुनिया में इस तरह की पहचान मिलना उनके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। राबर्ट स्मिथ के साथ गाने को मिली पहचान को लेकर उन्होंने विशेष उत्साह जताया। उनके मुताबिक, यह ऐसा मौका है, जिसका उन्होंने लंबे समय से सपना देखा था। ओलिविया रोड्रिगो ने मनोरंजन की दुनिया में अपने करियर की शुरुआत बाल कलाकार के रूप में की थी। बचपन में वह कई विज्ञापनों में दिखाई दीं। साल 2015 में उन्होंने फिल्म एन अमेरिकन गर्ल : ग्रेस स्टिर्स अप सक्सेस में काम किया।

भारत से किसी भी भगोड़े की वापसी हिंसा से नहीं प्रत्यर्पण संधि से ही संभव : बांग्लादेशी मंत्री कोबीर



ढाका

बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कोबीर ने कहा है कि हिंसा और पेट्रोल बम हमलों के जरिए दिल्ली में रह रहे भगोड़ों को वापस लाने की कोशिशें सफल नहीं होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत से किसी भी भगोड़े की वापसी केवल प्रत्यर्पण संधि के तहत ही संभव है। उनका यह बयान बांग्लादेश में हालिया हिंसक घटनाओं और राजनीतिक तनाव के बीच आया है।

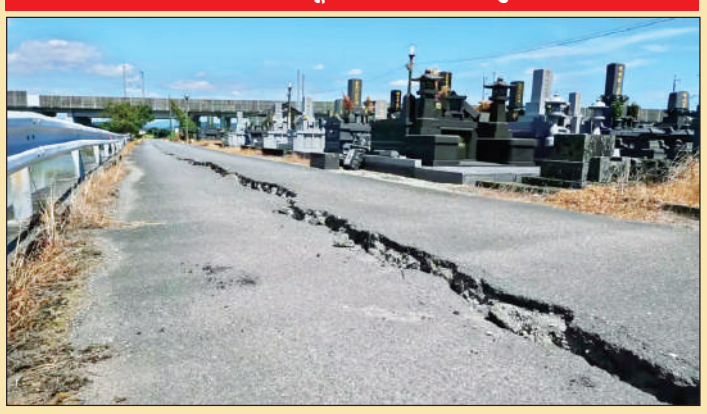
बांग्लादेश की अंग्रेज़ी दैनिक समाचार पत्र द डेली स्टार के मुताबिक, विदेश मंत्रालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कोबीर ने कहा कि दिल्ली से किसी भगोड़े को पेट्रोल बम फेंककर या हिंसा के जरिए वापस नहीं लाया जा सकता। उन्होंने कहा कि उनकी वापसी के लिए कानूनी प्रक्रिया और प्रत्यर्पण संधि का पालन करना होगा।

हुमायूं कोबीर ने अवामी लीग को आतंकवादी संगठन बताते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के नेता हिंसा भड़काने में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाए जाने के पीछे आतंकवाद से जुड़े आरोप प्रमुख कारण हैं।

मंत्री ने दावा किया कि अवामी लीग के कुछ नेता विदेश में रहकर भी देश में हिंसा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पेट्रोल बम हमलों, आगजनी और अन्य हिंसक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि देश में लगातार हो रही हिंसक घटनाओं से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश की छवि प्रभावित हो रही है या नहीं, तो कोबीर ने इस चिंता को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हिंसा में शामिल लोगों को सजा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जाय बांग्ला नारे का जिक्र करते हुए कहा कि अब यह भागने वाले लोगों का नारा बन गया है।

हालिया घटनाओं को छिटपुट आतंकवादी गतिविधियां बताते हुए विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि पेट्रोल बम हमलों और आगजनी के जरिए आम जनता को डराया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि देश के लोग ऐसे कायर आतंकवादियों से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने और हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पेरू में 6.9 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, जान-माल के नुकसान की खबर नहीं



पेरू। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.9 मापी गई। भूकंप का केंद्र मध्य पेरू के जुनिन क्षेत्र में ओंडोरेस से करीब 22 किलोमीटर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में स्थित था। यूएसजीएस के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार 20 नवंबर को शाम 7 बजकर 9 मिनट पर आया। इसकी गहराई जमीन से करीब 142.1 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। वहीं, देश के भूभौतिकीय संस्थान ने भूकंप की तीव्रता 6.7 बताई है और इसका केंद्र जुनिन शहर से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में बताया है। संस्थान के अनुसार, भूकंप का केंद्र 129 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के बाद अमेरिकी राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र ने स्पष्ट किया कि इस घटना के चलते सुनामी की कोई चेतावनी, सलाह या निगरानी जारी नहीं की गई है। फिलहाल सुनामी का कोई खतरा नहीं बताया गया है। भूकंप के बाद अब तक किसी के हताहत होने या बड़े पैमाने पर संपत्ति के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। हालांकि, संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

पाकिस्तान, बांग्लादेश और अल्जीरिया बने सेकंड हैंड मोबाइल के बड़े बाजार

बीजिंग

चीन अब अपने इलेक्ट्रानिक कबाड़ को पाकिस्तान, बांग्लादेश और अल्जीरिया देशों में खपा रहा है। चाइना एसोसिएशन आफ सर्कुलर इकोनामी के मुताबिक चीन हर साल 40 करोड़ से ज्यादा पुराने फोन कबाड़ में निकालता है। इन टूटी स्क्रीन वाले मोबाइल के लिए करांची से अल्जीरिया तक एक बड़ा बाजार बन चुका है। शेन्जेन के हुआकियांगबेई मार्केट से इन देशों के व्यापारी दर्जनों खराब फोन एक साथ खरीदते हैं। यहां 150 से 300 डालर में टूटे आईफोन मिलते हैं, जिन्हें कारोबारी अपने देश ले जाकर रिपेयर करते हैं और मुनाफे पर बेचते हैं। चिप की कमी और महंगे नए फोन के बीच, 2026 की पहली छमाही में सेकंड हैंड मोबाइल मार्केट 13 फीसदी बढ़कर 15 करोड़ यूनिट तक पहुंच गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक पाकिस्तानी व्यापारी ने बताया कि पाकिस्तान में लोग फोन टूटने पर नया लेने के बजाय उसे रिपेयर कराना पसंद करते हैं और एक मोबाइल को 4 या 5 साल तक चलाते हैं। इसी तरह अफ्रीकी देशों के व्यापारियों के लिए भी शेन्जेन सबसे बड़ा ठिकाना बन चुका है, क्योंकि अफ्रीका में ऐसे बड़े सप्लायर या बाजार नहीं हैं। एक नाइजीरियाई खरीदार ने बताया कि यहां से फोन खरीदकर अपने देश भेजने पर अच्छा मुनाफा मिला है। यहां खरीदार टूटे हुए आईफोन 13प्रो और 14प्रो माडल का मोलभाव कर 150 से 300 डालर प्रति फोन के दाम पर खरीदते हैं, यहीं लोकल दुकानों पर इनकी स्क्रीन ठीक कराते हैं और फिर अपने देश भेजकर ऊंचे दामों में बेचते हैं।



रिपोर्ट के मुताबिक हुआकियांगबेई की भीड़भाड़ वाली गलियों से बाहर, इस व्यापार का एक व्यवस्थित चेहरा भी उभरा है। एक चीनी रीसाइक्लिंग कंपनी यहां एक सेल्फ-सर्विस सेकंड हैंड मार्केट चलाती है, जहां 20,000 से ज्यादा पुराने स्मार्टफोन डिस्प्ले पर सजे रहते हैं। एक अल्जीरियाई दुकानदार ने बताया कि अल्जीरिया के नागरिकों को चीन का वीजा आसानी से मिल जाता है, जिससे उनके लिए यहां आकर व्यापार करना आसान होता है। स्टोर मैनेजर के मुताबिक यहां रोजाना 1,000 तक लोग आते हैं, जिनमें से करीब एक तिहाई विदेशी व्यापारी होते हैं। जानकारों के मुताबिक सेकंड हैंड बाजार में एप्पल के फोन सबसे ज्यादा बिकते हैं, जिनकी कुल बिक्री में 70 से 80 फीसदी हिस्सेदारी है। चीन में आईफोन 11, 12 और 13 जैसे पुराने माडल सस्ते एंड्रायड फोन के मुकाबले पिछड़ रहे हैं, लेकिन विदेशों में इन पुराने आईफोन की ब्रांड वैल्यू अब भी कायम है और वहां इन्हें दूसरा जीवन मिल रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक दक्षिण एशिया और अफ्रीका जैसे उभरते बाजारों में लोगों की खरीदने की क्षमता कम है, इसी वजह से वहां सेकंड हैंड माडल की मांग लगातार ऊपर जा रही है।

रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर आस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड ने जताया कड़ा विरोध

हैमिल्टन

यूक्रेन पर रूस के लगातार जारी हमलों को लेकर आस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड ने कड़ा रुख अपनाया है। तीनों देशों ने रूस के युद्ध की निंदा करते हुए मास्को से तत्काल स्थायी और बिना शर्त युद्धविराम पर सहमत होने की अपील की है। देशों का कहना है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का असर केवल यूरोप तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे वैश्विक शांति, सुरक्षा, खाद्य आपूर्ति और ऊर्जा सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के अनुसार, चीन में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) की बैठकों के दौरान तीनों देशों ने संयुक्त बयान जारी किया। ग्लोबल अफेयर्स कनाडा की ओर से जारी इस बयान में रूस की सैन्य कार्रवाई पर गंभीर चिंता जताई गई। साथ ही कहा गया कि तीनों देश क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संयुक्त बयान में कहा गया कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से जारी युद्ध ने बड़े पैमाने पर मानवीय संकट पैदा किया है। तीनों देशों ने रूस की आक्रामक कार्रवाई को अनुचित और अवैध बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की।

आस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड ने आरोप लगाया कि रूस ने वर्ष 2026 के दौरान यूक्रेन में अपनी सैन्य कार्रवाई और तेज की है। इससे आम नागरिकों की परेशानियां बढ़ी हैं और देश के नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। रूस की सैन्य कार्रवाई का प्रभाव वैश्विक सुरक्षा और शांति पर पड़ रहा है।



इसका असर हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता पर भी दिखाई दे रहा है। तीनों देशों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के बिना समावेशी तथा टिकाऊ आर्थिक विकास संभव नहीं है।

तीनों देशों ने रूस-यूक्रेन युद्ध के आर्थिक प्रभावों पर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक खाद्य और ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में अस्थिरता बढ़ने से कई देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है।

बयान में कहा गया कि रूस की कार्रवाई और उसके वैश्विक आर्थिक परिणाम एपीईसी के उस लक्ष्य के विपरीत हैं, जिसमें एक खुला, गतिशील, लचीला और शांतिपूर्ण एशिया-प्रशांत क्षेत्र बनाने की बात कही गई है। तीनों देशों ने यह भी कहा कि एपीईसी की बैठकें ऐसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करती हैं, जिनका असर सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं और आम नागरिकों के जीवन पर पड़ता है।

संयुक्त बयान में आस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड ने रूस से एक बार फिर स्थायी और बिना शर्त युद्धविराम स्वीकार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रूस को अपनी आक्रामक सैन्य कार्रवाई तुरंत समाप्त करनी चाहिए। तीनों देशों ने यूक्रेन के लिए न्यायसंगत और स्थायी शांति स्थापित करने के सभी वास्तविक प्रयासों का समर्थन करने की प्रतिबद्धता भी जताई।

यह बयान बीते 3 नवंबर को आनलाइन आयोजित एपीईसी मंत्रिस्तरीय बैठक और 18-19 नवंबर को चीन के शेनझेन में आयोजित एपीईसी आर्थिक नेताओं की बैठक के बाद जारी किया गया। इन बैठकों में एशिया-प्रशांत क्षेत्र की आर्थिक चुनौतियों, व्यापार, क्षेत्रीय सहयोग और वैश्विक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान चीन ने 2026 के लिए एपीईसी अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका निभाई। आस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड ने एपीईसी के प्रति अपना समर्थन जताते हुए चीन के नेतृत्व को भी स्वीकार किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना धैर्य न खोएँ, ख़ास तौर पर मुश्किल हालात में। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन-देन के लिए अच्छा दिन है। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है- और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देखने में आप इतना व्यस्त हो सकते हैं कि आप जरुरी कामों को करना भी भूल जाएंगे। शादी सिर्फ़ एक छत के नीचे रहने का नाम नहीं है; एक-दूसरे के साथ कुछ समय बिताना भी ज़रूरी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। आपका जीवनसाथी आपकी कमज़ोरियों को सहलाएगा और आपको सुखद अनुभूति देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका हँसमुख स्वभाव दूसरों को ख़ुश रखेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज आप जीवन में सच्चे प्रेम की कमी का अनुभव करेंगे। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी-सी बात को लेकर जीवनसाथी से तकरार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,रे,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जल्दबाज़ी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। काम के लिए मौक़े परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दुर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आज आराम के लिए बहुत कम समय है- क्योंकि पहले के टाले हुए काम आपको व्यस्त रखेंगे। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। बिना गहराई से समझे-बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप और आपका हमदम एक-दूसरे से आज एक-दूसरे की ख़ूबसूरत भावनाओं का इज़हार कर सकेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आप अचानक गुलाबों की ख़ुशबू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे। यह प्यार की मदहोशी है, इसे महसूस करें। जो काम आप कर चुके हैं, उसके चलते आज आपको पहचान मिलेगी। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आज चाहे दुनिया इधर-की-उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी के साथ समय गुजारेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने दिन की शुरुआत कसरत से करें- यही वक़्त है जब आप अपने बारे में अच्छा महसूस करने की शुरुआत कर सकते हैं- इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित रखने की कोशिश करें। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 नवंबर 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 02:39 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 04:16 तक
योग : व्यतिपात रात्रि 11:29 तक
करण : कौलव सायं 03:53 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:24 ,सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:21, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , गण्डमूल रात्रि 04:16 तक , भीष्म पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बच्चों, पर्यावरण और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में निवेश की मांग

पब्लिक गार्डन्स के लिए व्यापक मास्टर प्लान तैयार करे सरकार : आबिद अली



हैदराबाद, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार को जनता के धन और सरकारी संसाधनों का उपयोग जनकल्याण, बच्चों के विकास, ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण, जनस्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए करना चाहिए। ऐतिहासिक सार्वजनिक संस्थानों को उपेक्षा और बदहाली का शिकार होने से बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है।

एक ओर मशहूर हस्तियों से जुड़े कार्यक्रमों और आयोजनों पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने की चर्चा हो रही है, वहीं दूसरी ओर हैदराबाद के नामपल्ली स्थित ऐतिहासिक पब्लिक गार्डन्स (बाग़-ए-आम) परिसर में मौजूद महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक संस्थान आज भी सरकारी ध्यान, मरम्मत और पुनरुद्धार की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

जवाहर बाल भवन, हेल्थ म्यूज़ियम, ललिता कला तोरणम और डॉ. वाईएसआर स्टेट आर्कियोलॉजिकल म्यूज़ियम हैदराबाद की अमूल्य सांस्कृतिक, शैक्षणिक और ऐतिहासिक धरोहर हैं। इनके संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। हैदराबाद के पर्यावरण एवं ऐतिहासिक विरासत संरक्षण कार्यकर्ता मोहम्मद आबिद अली ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से अपील की कि वे संबंधित विभागों को पब्लिक गार्डन्स के पुनरुद्धार, ऐतिहासिक इमारतों की मरम्मत, सौंदर्यीकरण और संरक्षण के लिए वैज्ञानिक आधार पर व्यापक मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दें। उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य, शहरी हरियाली, जैव विविधता और ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए। इसके लिए संबंधित विभागों की समन्वित समिति गठित की जाए, विशेष बजट आवंटित किया जाए और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पुनरुद्धार कार्य शुरू किए जाएं। इससे पब्लिक गार्डन्स को हैदराबाद के एक आदर्श हरित एवं सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा।

मोहम्मद आबिद अली ने कहा, मशहूर हस्तियों के कार्यक्रम कुछ समय के लिए उत्साह पैदा कर सकते हैं, लेकिन बच्चों के भविष्य, जनस्वास्थ्य, ऐतिहासिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण में किया गया निवेश आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी और गौरवशाली विरासत तैयार करता है।

मन के अपराध तन के अपराधों से अधिक खतरनाक : कमल मुनि कमलेश



मैसूर, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानकवासी जैन संघ, हल्लदकेरी के तत्वावधान में जैन स्थानक भवन में आयोजित दिवाकर सप्ताह को संबोधित करते हुए कमल मुनि कमलेश ने कहा कि तन के अपराधों को रोकने के लिए सरकार कड़े कानून और नियम बना रही है तथा इस पर भारी धनराशि खर्च कर रही है, लेकिन मन के अपराधों को रोकने के लिए कोई विशेष प्रयास दिखाई नहीं देते। उन्होंने कहा कि तन के अपराधों की जननी मन है। शरीर से होने वाले अपराध कभी-कभी और सीमित क्षेत्र में होते हैं, जबकि मन के अपराध प्रतिपल होते रहते हैं और उनका प्रभाव पूरे ब्रह्मांड पर पड़ता है। मन के अपराध तन के अपराधों से अनंत गुना अधिक खतरनाक हैं।

मुनि ने कहा कि आत्मा के साथ कर्मों का बंधन होने में शरीर की अपेक्षा मन की भूमिका कहीं अधिक होती है। मन के निमित्त से ही आत्मा को अनंत जन्मों तक संसार में भटकना पड़ता है। यदि मन के अपराधों को रोकने के प्रयास नहीं किए गए, तो शरीर के अपराधों को रोकने का प्रयास फूटे मटके में पानी भरने के समान होगा। शरीर के अपराधों को कानून और दंड के माध्यम से दबाया जा सकता है, लेकिन अवसर मिलने पर वे फिर विस्फोटक रूप ले सकते हैं।

उन्होंने कहा कि तामसिक भोजन का त्याग किए बिना मन में सादगीपूर्ण विचारों का निर्माण संभव नहीं है। मन पर नियंत्रण पाने के लिए ज्ञान का अंकुश और विवेक की साधना आवश्यक है। महापुरुषों की वाणी मन के विकारों को दूर करने के लिए रामबाण औषधि से भी अधिक प्रभावशाली है।

इस अवसर पर श्रेयांश वर्षितप समिति, बेंगलुरु के 30 प्रतिनिधियों का दल मुनि की सेवा में उपस्थित हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने मुनि से बेंगलुरु पधारने की विनती की। संघ की ओर से प्रतिनिधिमंडल का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संघ के मंत्री बुधमल बाघमार ने किया।

नामपल्ली में राधे-राधे ग्रुप ने किया अन्नसेवा कार्यक्रम



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने पूरे उत्साह, सेवा भावना और समर्पण के साथ सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंद लोगों को अन्नदान किया। इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन है। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसे बिना किसी स्वार्थ, भेदभाव और दिखावे के प्रेम एवं आत्मीयता के साथ किया जाए। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक सेवा और सहयोग की भावना पहुंचाना है। ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से सेवा कार्यों में अपनी सहभागिता निभाकर यह संदेश दे रहे हैं कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति का छोटा-सा योगदान भी महत्वपूर्ण होता है। अन्नसेवा के माध्यम से जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही ग्रुप की सबसे बड़ी उपलब्धि और प्रेरणा है। कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, महेश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, डॉ. चंद्रकला अग्रवाल, मनीष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने भविष्य में भी इसी प्रकार निस्वार्थ भाव से मानव सेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।



स्व. मथुरा बाई उपाध्याय की पुण्य स्मृति में श्रद्धांजलि भजन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक श्री नंदकिशोर व्यास भजनों की प्रस्तुति देंगे। यह कार्यक्रम श्री सिखवाल समाज भवन, सिकंदराबाद में आयोजित होगा। आयोजनकर्ता श्री शिवकुमार एवं श्री विष्णुकुमार उपाध्याय ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को भजनों के माध्यम से श्रद्धासुमन अर्पित करने का आग्रह किया है।

समय पर हाउस टैक्स भरें : गोपू गंगाधर



बांसवाड़ा, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में हाउस टैक्स वसूली अभियान के तहत नगर निगम कमिश्नर गोपू गंगाधर ने शनिवार को स्वयं भाग लेकर नागरिकों को समय पर हाउस टैक्स जमा करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि शहरी विकास, स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए हाउस टैक्स से प्राप्त राजस्व महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी मकान मालिकों से निर्धारित समय पर टैक्स जमा करने तथा बकायेदारों से शीघ्र भुगतान करने की अपील की। इस अभियान में नगर निगम के संबंधित कर्मचारी भी शामिल हुए।



पेद्दापल्ली स्थित एन.डी. तिवारी के निवास पर तुलसी विवाह समारोह भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर भक्तिमय एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में भजन और तुलसी पूजन का आयोजन किया गया। समारोह में सरला तिवारी, एन.डी. तिवारी, उमा तिवारी, पूर्णिमा तिवारी, अन्विता तिवारी सहित अन्य महिलाओं ने भाग लिया।

कार्तिक पूर्णिमा पर भजन संध्या



पेद्दापल्ली, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 24 नवंबर को शाम 6 बजे पेद्दापल्ली मिनी टैंक बंड (येलम्मा चेरुवु कट्टा) पर हिंदू उत्सव समिति के अनुरोध पर सनातन धर्म प्रचार भजन मंडली द्वारा भजन पारायण सेवा आयोजित की जाएगी। मंडली ने सभी श्रद्धालुओं एवं भागवतजनों से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

कीटनाशक से बीमार हिरण को बचाया



मदनूर, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के गोजेगांव गांव के पास लेंडी नदी क्षेत्र में कीटनाशक का छिड़काव की गई फसल खाने और नदी का पानी पीने से एक काला हिरण बेहोश होकर गिर पड़ा। इसकी जानकारी मिलते ही ग्राम सरपंच मारुति राठौड़ और स्थानीय निवासी माधव राव ने हिरण को मदनूर पशु चिकित्सालय पहुंचाया। वहां जूनियर पशु चिकित्सा अधिकारी (जेवीओ) अब्दुल मजीद एवं चिकित्सा कर्मचारियों ने उसका उपचार किया। स्वस्थ होने के बाद हिरण को आगे की देखभाल के लिए वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया। हिरण की जान बचाने पर ग्रामीणों ने सरपंच, माधव राव एवं चिकित्सा कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

आदि श्रीनिवास ने किए अंजनेय स्वामी के दर्शन



पेद्दापल्ली, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वेमुलावाड़ा विधायक एवं सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास ने कोंडागट्टू स्थित श्री अंजनेय स्वामी मंदिर में दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मंदिर के कार्यकारी अधिकारी अंजना रेड्डी ने उनका स्वागत किया। मंदिर के पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई तथा उन्हें भगवान का आशीर्वाद और तीर्थ-प्रसाद प्रदान किया।

निबंध प्रतियोगिता में तीसरा स्थान



मदनूर, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय प्रमुख व्यापारी श्री गिरिराज तोशनीवाल की पुत्री कृतिका तोशनीवाल ने 18 नवंबर 2026 को कामारेड्डी में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित चुनावी साक्षरता क्लब-2026 के अंतर्गत निबंध लेखन प्रतियोगिता में जिला स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर जिला कलेक्टर की उपस्थिति में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), कामारेड्डी ने उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

सरकारी स्कूलों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं : प्रेम सागर राव



मंचेरियाल, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल नगर निगम के 20वें डिवीजन स्थित एसीसी (एसीसी) सरकारी प्राथमिक विद्यालय का विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने दौरा किया। मंचेरियाल जिले की पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष कोक्किराला सुरेखा के जन्मदिन के अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को बिस्किट के पैकेट वितरित किए।

इस दौरान विधायक ने शिक्षकों से बातचीत कर विद्यार्थियों को दी जा रही शिक्षा, सुबह के नाश्ते, बुनियादी सुविधाओं, आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने दिसंबर माह में विद्यार्थियों के लिए 75 बेंच उपलब्ध कराने तथा अगले शैक्षणिक सत्र की शुरुआत तक विद्यालय का नया भवन बनवाने का आश्वासन दिया। साथ ही निर्वाचन क्षेत्र के अन्य जरूरतमंद सरकारी स्कूलों में भी बेंच उपलब्ध कराने की बात कही। विधायक ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सरकारी स्कूलों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना जनसरकार का मुख्य लक्ष्य है।कार्यक्रम में नगर निगम मेयर धरनी मधुकर, मंडल शिक्षा अधिकारी (एमईओ) मालती, मार्केट कमेटी अध्यक्ष रामगिरी बानेश, जिला इंटक अध्यक्ष पूदरी तिरुपति, स्थानीय पार्षद गंगवरपु वेंकटेश्वरलू, नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष सल्ला महेश सहित अन्य पार्षद, शिक्षक, पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ताड़ी की दुकानों का निरीक्षण



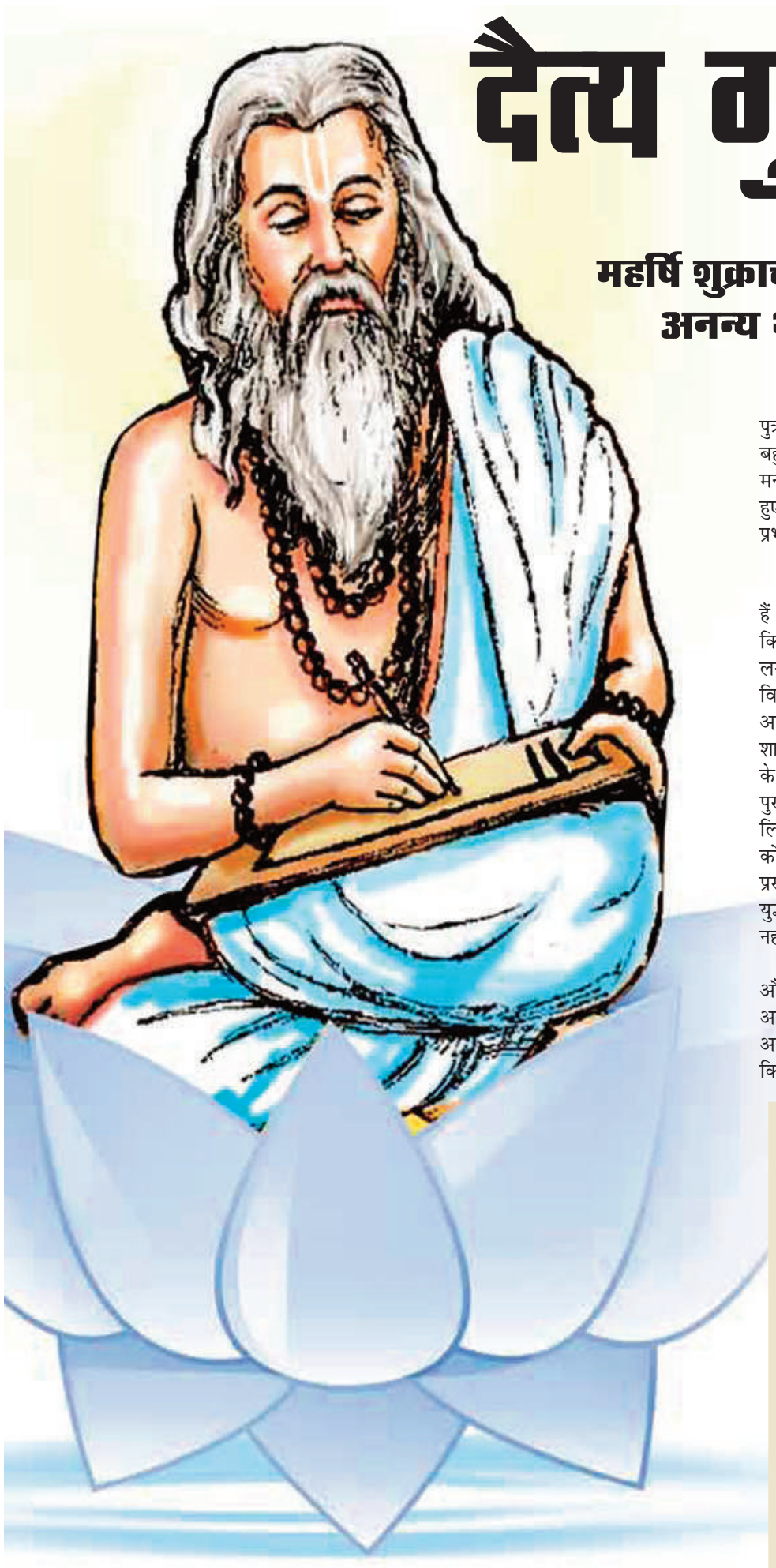
मदनूर, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के आदेशानुसार मिलावटी ताड़ी एवं उसमें प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के मिश्रण की जांच के लिए आबकारी विभाग के अधिकारियों ने मदनूर मंडल की विभिन्न ताड़ी की दुकानों का निरीक्षण किया। जिला आबकारी विभाग के निर्देश पर बिचकुंदा आबकारी प्रभारी अधिकारी विनोद राठौड़ ने कर्मचारियों के साथ मदनूर गांव सहित मंडल की कई दुकानों से ताड़ी के नमूने एकत्र किए। अधिकारियों ने नमूनों में मिलावट एवं प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की मौजूदगी की जांच की। उन्होंने चेतावनी दी कि शुद्ध ताड़ी में मिलावट करने या निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने दुकानदारों को बिना किसी प्रतिबंधित पदार्थ की मिलावट किए नियमानुसार ताड़ी बेचने के निर्देश दिए।

भाजपा छोड़ कई नेता कांग्रेस में शामिल



मंचेरियाल, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल में भाजपा को झटका देते हुए कई स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का दामन थाम लिया। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता मंतेना जगन मोहन राव के तत्वावधान में तथा नगर निगम के छठे डिवीजन के पार्षद वनपर्ती केता राजेश के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस में शामिल होने वालों में भाजपा के शक्ति केंद्र प्रभारी एवं डिवीजन अध्यक्ष मिदुदोड्डी सतीश, समुद्राला श्रीनिवास, बूथ प्रभारी पंबला एरन्ना, बूथ उपाध्यक्ष बुधरापु संपत, श्रीनिवास यादव और गट्टू स्वामी सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हैं। इस अवसर पर मंतेना जगन मोहन राव ने नए सदस्यों को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर कांग्रेस में स्वागत किया। नवागत सदस्यों ने उनके नेतृत्व में क्षेत्र में कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

दैत्य गुरु शुक्राचार्य



महर्षि शुक्राचार्य यूं तो दैत्यों के गुरु हैं, पर मन से भगवान के अनन्य भक्त हैं। वह ब्रह्मा जी के मानसपुत्र भी हैं...

दैत्यगुरु महर्षि शुक्राचार्य भगवान ब्रह्माजी के मानस पुत्र हैं। योगविद्या में पारंगत महर्षि शुक्राचार्य की 'शुक्रनीति' बहुत प्रसिद्ध है। यद्यपि शुक्राचार्य असुरों के गुरु हैं, किंतु मन से भगवान के अनन्य भक्त हैं। असुरों के बीच रहते हुए भी वह उन्हें सदा धार्मिक शिक्षा देते रहे। इन्हीं के प्रभाव से प्रह्लाद, विरोचन, बलि आदि भगवदभक्त बने।

शिक्षा-दीक्षा

पुराणों के अनुसार, वह दैत्यों के गुरु तथा पुरोहित हैं। आरंभ में इन्होंने अंगिरस ऋषि का शिष्यत्व ग्रहण किया किंतु जब वह अपने पुत्र के प्रति पक्षपात दिखाने लगे तब इन्होंने शंकर की आराधना कर मृतसंजीवनी विद्या प्राप्त की जिसके बल पर देवासुर संग्राम में असुर अनेक बार जीते। इन्होंने 1,000 अध्यायों वाले ब्राहस्पत्य शास्त्र की रचना की। बृहस्पति जी से प्रतिद्वन्दिता रखने के कारण दैत्यों का आचार्यत्व स्वीकार किया। मत्स्य पुराण के अनुसार, शुक्राचार्य ने असुरों के कल्याण के लिए ऐसा कठोर व्रत का अनुष्ठान किया जैसा आज तक कोई नहीं कर पाया। इस व्रत से इन्होंने शंकर जी को प्रसन्न कर लिया। शिव जी ने इन्हें वरदान दिया कि तुम युद्ध में देवताओं को पराजित कर दोगे और तुजहें कोई नहीं मार सकेगा।

महाभारत के अनुसार, सजपष्ट्रिा ही नहीं, शुक्राचार्य औषधियों, मन्त्रों तथा रसों के भी स्वामी हैं। उनका सामर्थ्य अद्भुत है। उन्होंने अपनी समस्त सम्पत्ति अपने शिष्य असुरों को दे दी और स्वयं तपस्वी-जीवन ही स्वीकार किया। ब्रह्मा की प्रेरणा से शुक्राचार्य ग्रह बनकर तीनों लोकों के प्राण का परित्राण करने लगे।

शुक्राचार्य का स्वरूप

इनका वर्ण श्वेत है। वह श्वेत कमल पर विराजमान हैं। चारों हाथों में रुद्राक्ष की माला, पात्र तथा वरदमुद्रा सुशोभित रहती है। इनका वाहन रथ है, जिसमें अग्नि के समान आठ घोड़े जुते रहते हैं। रथ पर ध्वजाएं फहराती रहती हैं। इनका आयुध दण्ड है। ये वृष तथा तुला रशि के स्वामी हैं। इनकी महादशा बीस साल की होती है।

ज्योतिष में शुक्राचार्य

ज्योतिष के अनुसार शुक्र को स्त्री एवं शुभ ग्रह माना जाता है। यह ग्रह कला एवं प्रेम का प्रतीक है। शुक्र का दो राशियों पर अधिपत्य हैड्ड वृष एवं तुला। वृष राशि स्थिर एवं पृथ्वी तत्व की राशि है। वहीं तुला चलायामान एवं वायु तत्व की राशि हैं। तुला शुक्र की मूलत्रिकोण राशि भी है। शुक्र गुरु की राशि मीन में उच्च के होते है। यह रहस्य जानना अति महत्वपूर्ण है। एक तरफ शुक्र प्रेम एवं रस का प्रतीक हैं वहीं गुरु ज्ञान एवं आध्यत्मिकता का प्रतीक होता है। यह बात कुछ विरोधाभासी सी प्रतीत होती है कि शुक्र गुरु की राशि मीन में उच्च क्यों होता है? कारण यह कि शुक्र भौतिकता का आध्यात्मिकता से जोड़ने वाला ग्रह है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शुक्र का शरीर कांतिवान एवं सुन्दर है। शुक्र में राजस स्वभाव के गुण विद्यमान हैं। शयन स्थल, सिनेमा घर, शपिंग काजम्लेक्स, फव्वारे एवं अन्य मनोरंजक एवं मनोरम स्थल शुक्र द्वारा प्रभावित होते हैं।

शुक्राचार्य की संजीवनी विद्या

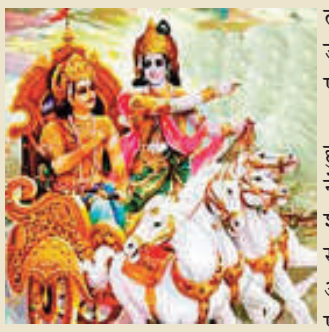
देव और दानवों में सदा युद्ध छिड़ा रहता था। दैत्य देवों पर भारी पड़ते थे, क्योंकि वे देवों के बड़े भाई थे। उनमें प्राणड्डशक्ति अधिक थी, एक और भी कारण था। दैत्यों के पूज्य गुरु शुक्राचार्य मुर्दे को जीवित कर देने वाला संजीवनीड्डमन्त्र जानते थे। यद्यपि देवता अमर थे और बुद्धि में असुरों से श्रेष्ठ, फिर भी बारजबार असुरों की मरी हुई सेना को पुन: जीवित होते देख घबरा गए थे। देवों के गुरु बृहस्पति को देवों को बचाने का तोड़ ढूंढना पड़ा।

कच को जीवनदान

शुक्राचार्य से संजीवनी-मन्त्र का ज्ञान प्राप्त करने के लिए बृहस्पति ने अपने अपने रूपवान पुत्र कच को उनके पास भेजा। कच की सेवा, श्रद्धा और गुरुड्डभक्ति देखकर गुरु शुक्राचार्य द्रवित हो गए। इधर शुक्रचार्य की कन्या देवयानी पर कच के रूप और गुणों को देखकर उसपर मुग्ध हो गई। जब असुरों को यह मालूम हुआ कि बृहस्पतिड्डपुत्र कच आचार्य के पास अध्ययन करने के लिए आए हुए हैं तो उन लोगों ने शत्रुड्डपक्ष का होने के कारण कच का प्राणान्त करने की योजना बनाई और एक दिन कच को उन्होंने मार भी डाला। पर देवयानी ने पिता से कह मन्त्रड्डशक्ति द्वारा कच को पुन: जीवित करा लिया। तब दैत्यों ने कच को मारकर उसको भोजन रूप में शुक्राचार्य को खिला दिया। अब कच को जीवित करने का एक ही उपाय थाड्ड शुक्राचार्य की मृत्यु। शुक्राचार्य समझ गए कि कच का प्रयोजन संजीवनी विद्या सीखना ही है। शुक्राचार्य ने मन मारकर उसे वह विद्या सिखाई। कच शुक्राचार्य का पेट फाड़कर निकला और उसी विद्या से शुक्राचार्य को जीवित किया। अमरावती पहुंचकर कच ने वह विद्या दूसरों को सिखाकर देवताओं का मनोरथ सफल किया।

अनीति की राह विनाशकारी

श्रुतायुध के पास शंकर जी के वरदान से प्राप्त एक अमोघ गदा थी। उसके तप से प्रसन्न होकर भगवान ने यह उपहार उसे इस शर्त पर दिया था कि वह उसका अनीतिपूर्वक प्रयोग न करे, यदि करेगा तो लौटकर वह उसी का विनाश कर देगी। महाभारत युद्ध और श्रुतायुध को अर्जुन से लड़ना पड़ा। युद्ध प्रबल वेग से होने लगा और दोनों ही अपना रम कौशल दिखाने लगे।



सारथी का काम करते हुए कृष्ण को श्रुतायुध की कुरूपता पर हंसी आ गई। यह हंसी उसे तीर की तरह चुभी और आवेश में आकर उसने अमोघ गदा श्रीकृष्ण पर फेंक चलाई। उसे यह भी ध्यान न रहा कि उसके साथ क्या शर्त जुड़ी हुई है। गदा कृष्ण तक न पहुंची और बीच से ही वापस लौटकर श्रुतायुध पर गिर पड़ी। उसका शरीर क्षत-विक्षत होकर भूमि पर गिर पड़ा।

धृतराष्ट्र को दिव्य दृष्टि से देखा हुआ यह समाचार सुनाते हुए संजय ने कहा- 'राजन! मनुष्य को समस्त शक्तियां श्रुतायुध की गदा की तरह सद्प्रयोग के लिए मिली हैं। जो उन्हें अनीतिपूर्वक प्रयोग करते हैं, वे अपने पाप से खुद ही आहत होकर इसी तरह विनाश को प्राप्त होते हैं।'

सभी कष्ट दूर करे श्री हनुमान उपासना

भगवान रामभक्त हनुमान की उपासना से जीवन के सारे कष्ट, संकट मिट जाते हैं। माना जाता है कि हनुमान ऐसे देव हैं जो थोड़ी-सी प्रार्थना और पूजा से शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। जहां मंगलवार और शनिवार का दिन इनके पूजन के लिए सर्वश्रेष्ठ हैं वहीं हिन्दू पंचांग के अनुसार पौष कृष्ण अष्टमी को हनुमान पूजन विशेष मायने रखता है।

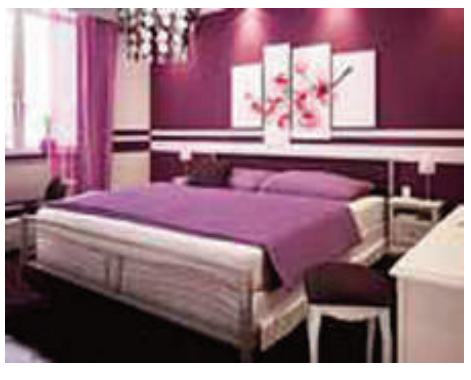
अगर आप अपनी परेशानियों से निजात पाना चाहते हैं तो आप निम्न मंत्र और उपाय आजमाएं। शीघ्र ही आपके कष्ट दूर होकर आपको सुख की अनुभूति होगी।

- ऊं हं हनुमंतये नम: मंत्र का जप करें।
- ऊं हं हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट् का रुद्राक्ष की माला से जप करें।
- संकट कटै मिटै सब पीरा, जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।
- राम-राम नाम मंत्र का 108 बार जप करें।
- हनुमान को नारियल, धूप, दीप, सिंदूर अर्पित? करें।
- हनुमान अष्टमी के दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- राम रक्षा स्त्रोत, बजरंगबाण, हनुमान अष्टक का पाठ करें।
- हनुमान आरती, हनुमत स्तवन, राम वन्दना, राम स्तुति, संकटमोचन हनुमानाष्टक का पाठ करें।
- परिवार सहित मंदिर में जाकर मंगलकारी सुंदरकांड पाठ करें।
- हनुमान को चमेली का तेल, सिंदूर का चोला चढ़ाएं।
- गुड-चने और आटे से निर्मित प्रसाद वितरित करें।

वास्तु

बैडरूम में न रखें तिजोरी वरना रूठ जाएंगी लक्ष्मी

बैडरूम घर का महत्वपूर्ण स्थान होता है। सारे दिन की भागदौड़ के बाद इसी में आराम और सुकून के पल नसीब होते हैं। इसलिए जीवन में इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार बैडरूम का पूरे जीवन पर प्रभाव पड़ता है। वास्तु अनुसार अगर इसमें कोई दोष हो, तो जीवन नरक बन जाता है। इसलिए आइए बैडरूम का प्रभाव सकारात्मक बनाने के लिए जानें कुछ टिप्स-



सोने के कमरे में कभी भी उत्तर की दिशा की ओर सिर रखकर नहीं सोना चाहिए।

पलंग कमरे के द्वार पर कभी नहीं होना चाहिए। इससे घर में अशांति और व्याकुलता का वास होने लगता है।

बिस्तर में सामने दीवार पर उत्तेजक और भड़काऊ चित्र नहीं लगाने चाहिएं। बल्कि प्रेरक और सुदंर चित्रों से दीवार सजाने से मन को प्रसन्नता मिलती है।

अगर आपके परिवार में कोई वृद्धजन रहते हैं, तो उनका बिस्तर पूर्व की ओर लगाना चाहिए। इस दिशा में आध्यात्मिक चिंतन, ध्यान, साधना और अच्छी नींद का वास होता है। हमेशा बाईं ओर करवट करके लेटना चाहिए। इससे नींद तो अच्छी आती है, पाचन क्रिया भी सही रहती है। इस बात का विशेष ख्याल रखें कि तिजोरी कभी भी सोने के कमरे में न रखें, इससे लक्ष्मी रूठ जाती हैं।

सिद्धधाम नीलकंठ महादेव

मंथन से निकले विष का पान करने के बाद भगवान शिव जी मणिकूट पर्वत पर समाधि में लीन हो गए। वह साठ हजार साल तक यहां समाधि में लीन रहे। इसीलिए इसे सिद्धधाम कहा जाता है...

मणिकूट पर्वत के मूल में स्थित श्री नीलकंठ महादेव का तीर्थ सिद्धधाम के नाम से जाना जाता है। कथाओं के अनुसार जब अमृतप्राप्ति के लिए देवताओं एवं दैत्यों में समुदर मंथन हुआ तो मंथन से उत्पन्न कालकूट विष को शिव जी ने पी लिया था। तथा मणिकूट पर्वत के मूल में स्थित नीलकंठ पर्वत पर समाधिस्थ हो गए थे।

पौराणिक गाथा

पुराणों के अनुसार, एक बार अमृत प्राप्ति के लिए देवताओं व दानवों ने मिल कर समुदर मंथन किया। मंथन के लिए वासुकी नाग का रस्सी बनाया गया। मंथन के समय वासुकी के मुख से चौदह रत्नों के साथ हलाहल विष भी निकला। अगर यह विष समुद्र या धरा पर गिरता तो तीनों लोक भस्म हो सकते थे। तब सभी ने भोलेनाथ से सृष्टि को बचाने की गुहार लगाई और महादेव ने उस कालकूट विष को पी लिया। कंठ में रखे विष से उनके कंठ का रंग नीला हो गया। जिससे वे नीलकंठ महादेव कहलाने लगे।

शिखर पर शिव की समाधि

विष को पीकर शिव मणिकूट पर्वत पर चले गए और विष की उष्णता को शांत करने के लिए समाधि में लीन हो गए। समाधि में लीन होने का पता चलते ही माता पार्वती कैलाश छोड़कर यहां आ गई। श्री हरि सहित अन्य देवता भी शिव जी को ढूंढ़ते यहां आ गए। यहां आकर उन्हें समाधिस्थ देखकर विष्णु जी निशुंभ पर्वत, ब्रह्मा शुंभ पर्वत तथा माता पार्वती चन्द्रभद्रा नदी के उद्गम स्थल पर शिव जी की समाधि टूटने की प्रतिक्षा करने लगी।

साठ हजार वर्ष की तपस्या के बाद विषपान की उष्णता शांत हुई और देवताओं के अग्रह पर शिव जी पुन: कैलाश प्रस्थान कर गए। जाते हुए शिव जी अपना नीलकंठ यहीं छोड़ गए थे, जो यहां शिवकंठ के रूप में मौजूद है। जिस जगह माता पार्वती ने बैठकर शिव आराधना की, वह स्थान भुवनेश्वरी सिद्धपीठ कहलाता है।

नीलकंठ महादेव मंदिर

मणिकूट पर्वत, विष्णुकूट पर्वत और ब्रह्मकूट पर्वत के सधिमूल तथा श्रीभुवनेश्वरी देवी पीठ के आंचल में स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर धार्मिक दृष्टिकोण से तो सिद्ध धाम है ही, निर्माण कला में भी बेजोड़ है। पीपल एवं वट वृक्ष की ओट में इस मंदिर में शिवलिंग व शिवकंठ के दर्शन होते हैं। मंदिर में शिव परिवार की मूर्तियां भी स्थापित हैं। इसके पीछे गंगा जी और ऋषिकेश के दर्शन होते हैं।

श्री भुवनेश्वरी सिद्धपीठ

शिव जी की समाधि खुलने की प्रतिक्षा में बैठी माता पार्वती ने यहां पर देवताओं को अपने दुर्लभ दर्शन दिए थे। तभी से इस पीठ पर शक्ति के साथ शिव का निवास भी हो गया और यह स्थान महापीठ एवं सिद्धपीठ कहलाने लगा।

कैसे जाएं

ऋषिकेश एवं लक्ष्मण झूले के मध्य में पूर्वी तट पर स्थित स्वर्ग आश्रम के पीछे से नीलकंठ महादेव को रास्ता जाता है। लक्ष्मण झूले में राम झूले होते हुए सिद्धधाम पहुंचा जा सकता है। ऋषिकेश में सड़क की दूरी- 45 कि.मी. है, जबकि स्वर्ग आश्रम से 14 किमी लंबा पैदल मार्ग है। मंदिर प्रवेश में 2 किमी पहले मुख्य प्रवेश कर रहे है। श्रावण मास में पड़ने वाले श्रावण कांवड़ मेला एवं पूरे श्रावण मास में शिव भक्तों की संख्या लाखों में हो जाती है। प्रत्येक सोमवार एवं शिवरात्रि को भी भारी संख्या में शिव भक्त यहां आते हैं। सारा साल शिवभक्तों के आगमन से यहां भरपूर रौनक रहती है।

विंटर फैशन में फर का बोलबाला...

जैसे-जैसे मौसम बदलता है, फैशन का अंदाज भी बदलने लगता है। सर्दियों में गर्म कपड़ों की जरूरत तो पड़ती ही है। लेकिन मॉडर्न युग में गर्म कपड़े जरूरत के अलावा फैशन के तौर पर भी खरीदे जाते हैं। तभी तो रैंप पर भी मॉडल्स गर्म कपड़ों में अपने हॉट अंदाज का जलवा बिखेरती हुई नजर आती हैं। जहां तक बात फर ड्रेस की है तो यह हर साल ही फैशन में इन रहते हैं। फैशन डिजाइनर्स का भी मोह इनसे कभी नहीं टूटता। तभी तो इस साल भी कोट से लेकर स्टोल्स आदि में फर का प्रयोग भरपूर देखने को मिला। फर कोट तो हमेशा से ही महिलाओं की पहली पसंद रहे हैं। इसका मुख्य कारण है इनका गर्म होने के साथ-साथ स्टाइलिश होना। लेकिन इस बार फर कोट डिफरेंट वैरायटी व लेंथ में मौजूद हैं। फर कोट्स में मिंक कोट से लेकर फॉक्स फर कोट, लेदर कोट विद फर, लॉन्ग कोट विद फर कॉलर, ओवरसाइज फर कोट फैशन में इन हैं। वैसे इसके अतिरिक्त इस सर्दी में पैचवर्क भी फैशन में बना हुआ है। इसलिए कोट्स में पैचवर्क को विद फर इस्तेमाल किया जा रहा है। यह देखने में बेहद स्टाइलिश व आकर्षक लगता है। अगर आपको पूरी तरह फर पहनना पसंद नहीं है तो आप अपने लुक में फर का हल्का सा टच भी दे सकती हैं। मसलन, फर के स्टोल्स भी इस साल ट्रेंड में बने हुए हैं। इससे आप अपने लुक में एक नया निखार ला सकती हैं। साथ ही फर स्टोल्स को डिफरेंट तरीके से कैरी करके हर दिन एक नया लुक पा सकती हैं। इसके अतिरिक्त आजकल ड्रेसेज के सिर्फ कफ्स को आकर्षक बनाने के लिए उनमें फर का प्रयोग किया जा रहा है। इससे आपकी ड्रेस में फर का हल्का सा टच आ जाएगा। वैसे आप चाहें तो फर का प्रयोग बतौर एक्सेसरीज भी कर सकती है। इनमें फर बैग्स व बूट्स पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है।आजकल मार्केट में फर आईटम्स लगभग हर कलर में अवेलेबल हैं। जहां तक बात फर स्टोल्स की है तो आप इनमें सिंगल कलर से लेकर ड्यूल शेड, मल्टीकलर, प्रिंटेड व स्ट्राइप्स इत्यादि पैटर्न आसानी से खरीद सकती हैं।



पॉप कलर्स के वूलन्स..



विंटर्स में वूलन्स में जो ट्रेंड सबसे ज्यादा चलन में है, वह है पॉप कलर्स। यानी ब्राइट कलर्स के वूलन्स। पीला ब्राइट ओवरकोट आप पर तब अच्छा लगेगा, जब आप इसके साथ डार्क कलर की एसेसरी इस्तेमाल करेंगी। आप हैंडबैग और फुटवियर का कलर भी डार्क रख सकती हैं। आजकल स्लिमफिट वूलन कुर्तियां भी चलन में हैं। आप इन्हें डेनिम के साथ कैरी कर सकती हैं। यह आपको कैजुअल लुक देगा, इसलिए इसके साथ आपको ज्यादा एसेसरीज की जरूरत नहीं। मेकअप सिंपल रखें। यदि ऑफिस के लिए ब्राइट कलर कैरी करना चाहती हैं तो कोट या जैकेट सबसे अच्छा विकल्प है। इसके साथ आप हैंडबैग, ब्रेसलेट कैरी कर सकती हैं। फुटवियर में हाई हील कैरी करें और कलर डार्क चुनें। इसके साथ ज्वैलरी भी मैच कराई जा सकती है। कोट के साथ बालों को खुला न रखें। ईवनिंग आउट या फिर पार्टीज के लिए आप निटेड पुलओवर चुनें। यह आपके स्टाइल स्टेटमेंट को निखार देगा।इस पर ट्राइबल ज्वैलरी या एथनिक ज्वैलरी अच्छी लगेगी। पुलओवर पसंद नहीं तो आप श्रग भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

फ्लाइट में कान दर्द से बचें...



आप जल्द और सुविधाजनक यात्रा के लिए हवाई मार्ग का चयन करते हैं और फ्लाइट से कहीं आने-जाने में आनंद भी आता है लेकिन जब आप टेक ऑफ और लेंड करते हैं तो कानों में काफी पीड़ादायक अनुभव होता है। असमान के दबावों के कारण प्रायः कान में दर्द होता है। जब प्लेन उतरता है तो कानों के पर्दे में दबाव बढ़ जाता है। फ्लाइट में कान दर्द से बचने के लिए कुछ तरीके हैं। नाक से ध्वनि यानी ब्लोइंग निकालें। कान के भीतर के वायु दबाव को आस-पास के वायु दबाव के बराबर करने के लिए यह सबसे आसान तरीका है। इससे बहुत जल्द कान दर्द से आराम मिलता है। हवाई यात्रा के दौरान अगर कान दर्द महसूस हो रहा हो तब मिठाई खाएं या चूसें और नाक से ध्वनि निकालें और मुंह में हवा भर कान में भरें। दवाब को नियंत्रित करें और इससे दर्द कम होगा। फ्लाइट से उतरने के दौरान यूस्टेकियन ट्यूब को अनब्लॉक करने के लिए यॉनिंग और स्वॉलोविंग मसल्स को उत्तेजित करने में मदद करता है। जिससे कान दर्द से राहत मिलती है।

इस तरह न बैठें...

हर किसी के बैठने का तरीका अलग होता है। वैसे ज्यादातर लोग पैर क्रॉस करके बैठते है, जो कि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। पैर क्रॉस करके बैठना हमें बीमार बना सकता है। इस पोजीशन में बैठने से ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। शरीर में खून का प्रवाह पैरों से ही दिल की तरफ होता है। पैर क्रॉस करके बैठने से खून को दिल तक पहुंचने में काफी दिक्कत होती है। इससे पैरालिसिस भी हो सकता है। जब हम पैर क्रॉस करके बैठते है तो पैरीनील नर्व पर दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियां सुन्न हो जाती हैं। ज्यादा समय तक पैर क्रॉस करके बैठने से रीढ़ की हड्डी में परेशानी हो सकती है। नसों में सूजन भी हो सकती है। नसों को नुकसान पहुंचता है और वे कमजोर हो जाती हैं।

थकान से मौत...?



दफ्तर में बहुत से लोग हफ्ते की छुट्टी के बाद भी थके हुए नजर आते हैं। कई बार दो दिन के वीकली ऑफ के बावजूद ताजगी महसूस नहीं होती। आपने कभी सोचा है कि आखिर इसकी क्या वजह है? आज के समय में नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है और थकान चरम पर पहुंच जाती है। थकान की ऐसी हालत मौत का कारण भी बन सकती है।



आजकल लोग छुट्टियों में भी देर रात तक फोन पर लगे रहते हैं। ऑफिस की ई-मेल पढ़ते हैं। घर पर रहते हुए भी कॉन्फ्रेंस कॉल निपटाते हैं। कुल मिलाकर छुट्टी के दिन भी लोग दफ्तर की जिम्मेदारियों को सिर पर सवार रखते हैं। ऐसे में जब वे दो दिन की छुट्टी के बाद दफ्तर आते हैं तो तरोताजा लगने के बजाय थके हुए नजर आते हैं। ऐसे हालात पूरी दुनिया में हैं। कुछ लोग आगे बढ़ने के लिए अपने छुट्टी के दिन को भी कुर्बान करने को तैयार रहते हैं।

तो कुछ के लिए छुट्टी के दिन भी कंपनी का काम करना मजबूरी होती है। आज नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है। यह तनाव और थकान मौत का कारण भी बन सकती है। अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेस के मुताबिक, काम के तनाव के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था को हर साल 300 अरब डॉलर का नुकसान होता है। ऑनलाइन ट्रैवेल कंपनी एक्सपेडिया के मुताबिक उसके केवल आधे कर्मचारी साप्ताहिक छुट्टी के बाद ताजगी के साथ दफ्तर आते हैं।





सैटरडे सिंड्रोम

ब्रिटेन में 'सैटरडे सिंड्रोम' की बड़ी चर्चा होती है, जब लोग अपने खाली वक्त में बीमार पड़ जाते हैं। वहीं अमेरिका में हफ्ते में साठ घंटे काम करने का चलन तनाव बढ़ा रहा है। लोगों की सेहत बिगाड़ रहा है। जापान में तो काम के बोझ के चलते मौत के लिए नया शब्द ही ईजाद कर लिया गया है-करोशी, यानी थकान से मौत। लोगों को हर वक्त फेसबुक स्टेटस या इंस्टाग्राम पर फोटो अपडेट करना होता है। यूं लगता है कि ऐसा नहीं किया तो मानों जिंदगी में कुछ नहीं किया। वैसे कुछ थके हुए लोगों के साथ कुछ ऐसे भी होते हैं जो छुट्टी के बाद एकदम तरोताजा नजर आते हैं। इनमें से कई तो ऐसे होते हैं जिनके ऊपर काम का बोझ ज्यादा होता है। आखिर क्यों कुछ लोग बीमार पड़ जाते हैं तो कुछ लोग ज्यादा काम होने पर भी ताजादम नजर आते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जब लोग दफ्तर का तनाव घर ले जाते हैं तो यह आपके दिमाग को एक्टिव रखता है। उन बातों पर उसका ध्यान लगा रहता है, जिनसे आप दफ्तर में जूझते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं।



सब कुछ सोच पर निर्भर

बहुत दिनों से इस बात की तुलना की जा रही है कि जो लोग वीकेंड पर भी दफ्तर का काम निपटाते हैं और जो लोग छुट्टियों में पूरी तरह काम से दूर रहते हैं, उनमें क्या फर्क होता है? मगर इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। दो लोग अलग हालात में अलग तरह से प्रतिक्रिया देते हैं। असल में सब कुछ हमारी सोच, हमारे दिमाग में होता है। जो लोग पॉजिटिव सोच वाले होते हैं उनके लिए घर पर भी दफ्तर का काम थकाने वाला नहीं होता। वहीं जो लोग नेगेटिव सोच वाले होते हैं, उनके लिए हर जगह, हर काम उबाऊ और थकाने वाला होता है। ये लोग छुट्टियों के दिन भी थकान उतारने में नाकाम रहते हैं। फिर दफ्तर लौटते हैं तो थके हुए नजर आते हैं। तनाव से निपटने का तरीका भी अलग-अलग हो सकता है।

लंबे समय से थकान

लंबे समय तक थकान से परेशान लोगों को न आसानी से नींद आती है और न ही आराम मिलता है। पिछले कुछ सालों से दुनिया भर में 30 से 45 आयु वर्ग के कामकाजी लोगों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। दो हफ्ते से अधिक की थकान की अनदेखी न करें ऐसी स्थिति में जीवनशैली में बदलाव करने की ओर कदम बढ़ाना जरूरी है। ऐसा नही होने पर इंसानी शरीर पर कई मानसिक और शारीरिक बीमारियों से घिरने की आशंका बढ़ जाती है। स्टडी के अनुसार लंबे समय तक थकान महसूस होने से शरीर का रोग प्रतिरोधी सिस्टम कमजोर हो जाता है। ऐसे में थकान से पीड़ित व्यक्ति अनचाहे रोगो का शिकार भी हो सकता है। लंबे समय से चली आ रही थकान को क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम या सीएफएस का नाम दिया गया है। इसके मामले कुछ सालों में इतने बढ़ गए हैं कि बीते साल यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन ने इस पर लंबी रिपोर्ट पेश करते हुए इसको सिस्टेमेटिक एक्जरशन इनटॉलरेंस डिजीज का नया नाम दिया। सीएफएस के लक्षण कुछ इस तरह के हो सकते है। जैसे रुक रुक कर सिर दर्द होना, मांस पेशियों और जोड़ों में दर्द होना और मांसपेशियों में कमजोरी आना, मूड स्विंग होना और नींद ना आना जैसे लक्षण सामान्य होते हैं।

मन की थकान

कुछ लोग अपने जीवन में नित नई ऊर्जा भरते जाते हैं, आगे बढ़ते जाते हैं, तो कुछ लोग लगातार थकते जाते हैं और एक दिन इतना थक जाते हैं कि उनके जीवन से आनंद का रस ही खत्म हो जाता है। उन्हें किसी काम में मजा ही नहीं आता। यहां तक की उन्हें कोई नई बात कह भर दी जाए, तो वो आगबबूला हो जाते हैं। इसकी वजह है शरीर की थकान से भी खतरनाक मन की थकान। मन की यह थकान इतनी खतरनाक है कि उसके बाद सिवाय अवसाद के और कुछ जीवन में नहीं रह जाता। यह दुनिया वहीं है, लोग वहीं हैं, कुदरत वही है, लेकिन इसके बावजूद हमारे भीतर बहुत कुछ बदल रहा है। यह बदलाव यदि सकारात्मक है तो हम जीवन के उच्चतम स्तर को पाएंगे और इसके उलट यह बदलाव यदि नकारात्मक है तो एक दिन हम मन की थकान के उस आखिरी स्तर पर पहुंच जाएंगे जिसे अवसाद कहते हैं।

माहौल बदलें

मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि कई बार थकान उतारने में भी लोग खीझ उठते हैं। उन्हें लगता है कि कितने दिनों से उन्होंने ई-मेल या सोशल मीडिया अकाउंट ही नहीं चेक किया। इससे भी उनका तनाव बढ़ सकता है। यानी कुछ लोगों के लिए खाली बैठना भी तनाव को दावत देने जैसा है। तो उन्हें कुछ न कुछ काम करते रहना चाहिए। जैसे कि योग या ध्यान करें। किसी खेल-कूद में मन लगाएं। दौड़ने ही निकल जाएं या जाकर पास के पार्क में टहलें। इससे तनाव कम करने में मदद मिलेगी। चीजों और माहौल को लेकर अपनी सोच में बदलाव लाना, तनाव कम करने के लिए बहुत जरूरी है। सोच में बदलाव लाने में थोड़ा वक्त लगता है। तीन से छह महीने भी लग सकते हैं। तब तक आप अपने आप को बदलने की कोशिश जारी रखिए। और हां, दफ्तर जाना मत छोड़िए क्योंकि रोज की दिनचर्या के साथ बदलाव आएगा तो ही वह स्थायी होगा। आपको तय करना है कि आप किस रास्ते चल रहे हैं और सच पूछिए तो इसे आप ही जान सकते हैं। दरअसल, आप क्या कर रहे हैं से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप किसी काम को किस मनोभाव के साथ कर रहे हैं।

स्क्रैच कार्ड से कैंसर का खतरा...



अगर आप अपना मोबाइल रिचार्ज करने के लिए प्रीपेड कार्ड का उपयोग करते हैं तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि स्क्रैच कार्ड के लेप में मौजूद भारी धातुओं के शरीर में जाने से कैंसर होने का खतरा है। मोबाइल फोन के प्रीपेड ग्राहकों के लिए मोबाइल रिचार्ज करने का सबसे आसान तरीका प्रीपेड कार्ड है। यही वजह है कि तमाम लोग अपने पास इमरजेंसी के लिए प्रीपेड कार्ड रखते हैं। जैसे ही उनका बैलेंस खत्म होता है, तो वे प्रीपेड कार्ड को स्क्रैच करके अपने मोबाइल को रिचार्ज कर लेते हैं। हालांकि यह तरीका बेहद आसान है, लेकिन पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि कार्ड स्क्रैच करने से लोग कैंसर के शिकार हो सकते हैं।

खतरनाक धातुएं



असल में प्रीपेड रिचार्ज कूपन का स्क्रैचिंग एरिया सिल्वर नाइट्रिक ऑक्साइड से कोटेड होता है। साथ ही, कोटिंग सामग्री में कैडमियम और एल्युमिनियम भी होता है। ज्यादातर लोग रिचार्ज कार्ड को नाखून की मदद से ही स्क्रैच करते हैं। ऐसे में, कोटिंग सामग्री में मौजूद तमाम खतरनाक धातुएं नाखून में जमा हो जाती हैं। इसके बाद जब भी लोग खाना खाते हैं, तो नाखून में मौजूद ये कोटिंग सामग्री खाने के साथ या फिर स्मॉल बॉडी वेसेल्स के जरिए सीधे शरीर में पहुंच जाते हैं।

डीएनए को नुकसान

आजकल कई परीक्षाओं में भी विद्यार्थी अपने प्रश्नपत्रा या कॉपी नंबर को स्क्रैच करते हैं। इसके अलावा, आजकल कई कंपनियां अपने उत्पाद के साथ फ्री गिफ्ट वाले स्क्रैच कार्ड भी देती हैं। इन सभी लोगों के कैंसर का शिकार होने का खतरा काफी ज्यादा होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, स्क्रैच कोटिंग में पाए जाने वाले रसायन शरीर में जाने के बाद डीएनए को क्षतिग्रस्त कर देता है। थोड़े समय बाद शरीर में कैंसर एजेंट कार्सिनोजेन विकसित हो जाता है। इस वजह से ब्लैडर कैंसर, लिवर कैंसर या ब्लड कैंसर होने की आशंका रहती है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस कैंसर का पता बहुत बाद में पता लगता है।

ग्लैडर कैंसर

डॉक्टर मानते हैं कि भारी धातुओं की वजह से ग्लैडर कैंसर के मरीज बहुत देखने में आते हैं। इस तरह का कैंसर बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इसका पता काफी देर से चलता है। इसके डायग्नोसिस के लिए बायोप्सी का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा खून की जांच, पेशाब की जांच, इंडोस्कोपी, एक्सरे और अल्ट्रासाउंड की मदद से भी इसका टेस्ट किया जाता है।

ऐसे बचें

कैंसर के खतरों से बचने के लिए बेहतर है कि कार्ड स्क्रैच करने के लिए हाथों जगह कोई दूसरी ठोस वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाए। अगर हाथों से स्क्रैच कर रहे हैं तो तुरंत अपने हाथ साफ करें। बेहतर होगा कि मोबाइल में रिचार्ज कराने के लिए ई रिचार्ज या फिर इंटरनेट रिचार्जिंग की सुविधाएं अपनाएं।



फोन तोड़ने में हम सबसे आगे...

मोबाइल फोन उपयोग के मामले में भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है, लेकिन फोन तोड़ने के मामले में भारत ने सबको पीछे छोड़ दिया है। भारत में कुल मोबाइल फोन ग्राहकों में लगभग दो तिहाई लोग अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इसमें भी रोचक तथ्य यह है कि भारत में महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा मोबाइल फोन ज्यादा गिराती हैं। एक सर्वे के मुताबिक गिरकर खराब हुए मोबाइल फोन में 58 फीसदी मामले महिलाओं द्वारा फोन गिराने के रहे हैं।

आठ माह में ही टूटे फोन

एक ताजा सर्वे के मुताबिक 50 प्रतिशत से अधिक लोगों के स्मार्टफोन की स्क्रीन अमूमन स्मार्टफोन खरीदने के आठ महीने के अंदर टूट जाते हैं। यात्रा करते समय, भीड़ से भरी ट्रेन या बस में चढ़ते या उतरते समय, कई काम एकसाथ करते समय, सेल्फी लेते समय अक्सर मोबाइल गिरकर टूट जाते हैं या खराब हो जाते हैं। गेजेट एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सुरक्षा कंपनी 'आनसाइटगो' ने बीते एक साल के दौरान मरम्मत के लिए आए 4,000 से अधिक स्मार्टफोन के खराब होने के पीछे के कारणों का विश्लेषण किया। सर्वे के अनुसार, सेल्फी लेते समय फोन गिरने की घटना सर्वाधिक होती है और इसमें शायद ही किसी को यह मानने में परेशानी हो कि महिलाएं सेल्फी की दीवानी अधिक होती हैं।



जागरूकता की कोशिश

वास्तव में यह सर्वे मोबाइल फोन के प्रयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए तथा मोबाइल को टूटने से बचाने के लिए किया गया। अगर लोगों को समझाया जाए कि मोबाइल फोन कौन सी स्थिति में टूट सकता है तो वे उन परिस्थितियों में अधिक सतर्कता बरत सकते हैं। सर्वे में पाया गया कि मरम्मत के लिए आए सर्वाधिक स्मार्टफोन में स्क्रीन टूटने की समस्या रही। मोबाइल फोन की स्क्रीन गिरने से टूटती है। गोरिल्ला ग्लास जैसे अत्याधुनिक तकनीक और टेम्पर्ड ग्लास के उपयोग से स्क्रीन खराब होने का खतरा कम होता है फिर भी इससे पूर्ण सुरक्षा नहीं मिलती।



टूटे फोन का इस्तेमाल

सर्वे से मिले कुछ रोचक तथ्यों पर गौर करें तो 36 प्रतिशत भारतीय फोन की स्क्रीन के टूटने के बाद भी या उंगली कटने के बावजूद उसका प्रयोग करते रहते हैं। 37 प्रतिशत भारतीयों के मुताबिक मरम्मत का खर्च सर्वाधिक है। 50 प्रतिशत भारतीय तो अपनी ही गलती से मोबाइल खराब करते हैं। विश्वभर में 50 फीसदी से भी ज्यादा लोग अब तक कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। भारत में 65 फीसदी से भी ज्यादा मोबाइल फोन उपभोक्ता कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इस मामले में सबसे अच्छा रिकॉर्ड यूएस का है। यहां औसतन 34 फीसदी लोग अब तक कम से कम एक बार स्क्रीन तोड़ चुके हैं। 42 फीसदी लोग ऐसे हैं जो मोबाइल की स्क्रीन टूटने के बाद उसका रिपेयर कराते हैं। परंतु 23 फीसदी ऐसे लोग हैं जो टूटी स्क्रीन के साथ ही फोन का उपयोग करते हैं।

सेल्फी से संबंध

खास बात यह कही जा सकती है कि विश्वभर में सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ने का औसत 7 फीसदी है। जबकि इस मामले में भारत वैश्विक औसत से लगभग ढाई गुना आगे है। भारत में 17 फीसदी मोबाइल उपभोक्त ऐसे हैं जिन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी सेल्फी अपलोड करने के क्रम में फोन तोड़ डाला। इससे पता चलता है कि भारत में सेल्फी का शौक किस कदर भारी पड़ा है। इस मामले में ब्राजील सबसे पीछे है वहां मात्र 3 फीसदी लोगों ने ही सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ा है। विश्वभर में 7 फीसदी ऐसे लोग हैं जिनका फोन सेल्फी लेने के दौरान गिरकर टूट गया है। वहीं 5 फीसदी ऐसे हैं जिनका फोन उस वक्त गिर कर टूटा जब वे किसी को दे रहे थे या किसी से फोन ले रहे थे। 32 फीसदी केस में लोगों के फोन पॉकेट से गिर कर टूट जाते हैं जबकि 27 फीसदी लोगों के फोन लेकर उठने–बैठने के दौरन गिर कर टूट जाते हैं।



शुगर स्तर कम करने में मदद करता है जीरा

जीरा न सिर्फ भोजन के स्वाद को बेजोड़ बनाता है बल्कि कई बीमारियों में भी बहुत लाभदायक होता है। डायबिटीक लोगों के लिए जीरा अत्यंत लाभकारी है। यह खून में शुगर स्तर को कम करने में मदद करता है। जीरे में आयरन भरपूर मात्रा में होता है जिससे यह खून की कमी यानी एनीमिया को दुरुस्त करता है और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

यह शरीर में ऑक्सीजन का सभी हिस्सों में पहुंचना सुचारू करता है। दमे के मरीजों को इसके भरपूर लाभ मिलते हैं। इसमें थायमोजयीनॉन नामक एक खास तत्व होता है जो दमे को रोकने बहुत कारगर है। भारतीय पाक कला में मसालों के इस्तेमाल का अलग ही महत्व है। मसाले न सिर्फ स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं बल्कि ये



स्वास्थ्य के लिए भी बेजोड़ होते हैं। हमारे खाने में कई पकवान तो इन मसालों के नाम पर ही जाने जाते हैं जैसे ज्यादातर पसंद किया जाने वाला जीरा राइस। सही समझे आप, जीरे में कई तरह के गुण छुपे हुए हैं जिनसे आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं। जीरा काला, सफेद और मटमैले रंग में उपलब्ध होता है। जीरे के स्वास्थ्य संबंधी गुण इसे न केवल भारतीय खाने का अहम हिस्सा बनाते हैं बल्कि पुराने समय में यह रोमन, ग्रीक और मिस्र संस्कृति का भी खास हिस्सा था। इतना खास कि यह करंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जीरा शरीर के सभी अंगों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है और इसके उपयोग से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हमारे शरीर में विभिन्न कारणों से गंदगी आ जाती हैं जिन्हें शरीर पसीने और फुंसियों के रूप में बाहर निकालता है। जीरे का नियमित इस्तेमाल शरीर की शोधन करने की प्रक्रिया को तेज करता है।

जिज्ञासा

इसलिए कहते हैं 'काइट'

बच्चों को पतंगों से हमेशा ही लगाव रहा है। कहते हैं, पक्षी को देखकर बनी पतंग और पतंग को उड़ता देखकर वैज्ञानिकों ने की हवाई जहाज बनाने की कल्पना। मौका चाहे 15 अगस्त का हो या मकर संक्रांति का पतंग उड़ाने में बच्चों का जोश देखते ही बनता है। इन दिनों रंगबिरंगी पतंगों से आकाश भी रंगीन दिखने लगता है।

आज से करीब दो हज़ार साल पहले यानी ईसा पूर्व चीन में पतंग उड़ाने की शुरुआत हुई थी। चीन के समाज में पतंगों को भी शकुन- अपशकुन से जोड़कर देखा जाता था। यहां किन राजवंश के दौरान पतंग को उड़ाकर छोड देने को अपशकुन माना जाता था। साथ ही किसी कटी हुई पतंग को उठाना भी बुरा शकुन माना जाता था।

समय के साथ-साथ पतंगें बर्मा, कोरिया, थाईलैंड, जापान, अरब, उत्तरी अफ्रीका और भारत में भी काफी लोकप्रिय हो गईं। पहले मैसेज भेजने के लिए पतंगों का इस्तेमाल किया जाता था। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि लगभग उसी काल में एक यूनानी आरकाइट्स ने दुनिया की सबसे पहली पतंग का निर्माण किया था और इसी कारण पतंग को अंग्रेजी में काइट कहते हैं। पतंग सिर्फ मनपरचावे की ही चीज नहीं है, इसका संबंध कई आविष्कारों से भी है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि एरोप्लेन के आविष्कारक राइट ब्रदर्स ने पतंगों से काफी कुछ सीखा था। बेंजामिन फ्रैंकलिन और मारकोनी ने भी पतंगों की मदद से कई आविष्कार किए। सन् 1883 में इंग्लैंड के डगलस आकिवेल्ड ने पतंगों के जरिए 1200 फीट की ऊंचाई पर बहती हवा की गति भी मालूम की थी।



पौधे...जो खाते हैं मांस

हमें भोजन देने वाले पेड़-पौधे खुद को जिंदा रखने के लिए कीट-पतंगे भी खाते हैं, यह सुनने में अजीब लगता है, पर सच है। कीट-पतंगे खाने वाले करीब 600 विभिन्न तरह के प्लांट्स दुनियाभर में पाए जाते हैं...







प्लांट्स अपना भोजन खुद तैयार कर सकते हैं। भोजन के लिए जरूरी सारी चीजें उन्हें सूर्य की रोशनी, हवा, पानी और मिट्टी से मिल जाती हैं। यहां तक कि मांसाहारी पौधे भी दूसरे प्लांट्स की तरह खुद भोजन तैयार करते हैं। दरअसल, दलदली जमीन या पानी के नजदीक उगने वाले कुछ पौधों को जरूरी मात्रा में नाइट्रोजन नहीं मिल पाता है जिस कारण ये कीट-पतंगे खाकर इस कमी को पूरा करते हैं।

इस तरह करते हैं शिकार

ये प्लांट्स कीट-पतंगों को पकड़ने के लिए जानवरों की तरह दौड़ तो नहीं सकते और न ही इनके हाथ या दांत होते हैं। ये कीट-पतंगों को पकड़ने के लिए कई तरह के रूप धरते हैं। ये प्लांट्स देखने में बेहद सुंदर होते हैं। इनकी खूबसूरती से आकर्षित होकर कीट इनके पास आते हैं और इनका शिकार बन जाते हैं।

इन प्लांट्स की पत्तियां भी बड़ी अजीब-सी होती हैं। ये वास्तव में इन प्लांट्स के छोटे पेट की तरह होती हैं। जब ये पत्तियां कीट-पतंगों को फंसाती हैं, तो ये पाचक रस छोड़ती हैं। यह रस पहले कीटों का दम घोटता है और फिर धीरे-धीरे उनका शरीर डिजॉल्व करता है। कीट के शरीर में से प्लांट नाइट्रोजन, नमक और दूसरे मिनरल्स अब्जॉर्ब कर लेता है, जो इसके विकास के लिए जरूरी होते हैं।

नेपिन्थिस

यह प्लांट भारत में असम की खासी और गारो पहाड़ियों पर पाया जाता है। इसकी पत्तियों के सिरे सुराही जैसे आकार के होते हैं। ये पत्ते कीटों के लिए फंदे का काम करते हैं और उन्हें फंसा लेते हैं। यह अद्‌भुत सुराही डेढ़ से आठ इंच तक लंबी होती है। देखने में बहुत सुंदर लगने वाली इस सुराही के किनारों पर सब ओर शहद की थैलियां एक कतार में होती हैं। कीट-पतंगे सुराही के रंग से आकर्षित होकर शहद के लालच में अपनी जान गंवा बैठते हैं। सुराही की दीवार चिकनी होने के कारण ये रेंगकर बाहर भी निकल नहीं पाते। इसके तल में रस रहता है जो इन्हें जल्दी ही पचा जाता है और पचे हुए भाग को इसकी दीवारें सोख लेती हैं।

सेरोसेनिया

इस प्लांट में तुरही की शक्ल की थैलीनुमा पत्तियां जमीन पर एक झुंड में सजी रहती हैं। आकर्षक रंग की ये पत्तियां अपने मुंह पर कुछ ग्रंथियां लिए रहती हैं, जिनमें शहद होता है। कीट-पतंगे इसके रंग और शहद से आकर्षित होकर थैली के भीतर चले जाते हैं और फिर तुरही के मुंह के भीतर लगे कांटों के कारण बाहर नहीं निकल पाते।

ड्रोसैरा

यह एक बहुत सुंदर कीट-भक्षी पौधा है, जो शिमला, मसूरी और नैनीताल जैसे ठंडे इलाकों में उगता है। इसकी गोलाकार पत्तियों के किनारे लाल रंग के तीखे बाल होते हैं, जिनसे एक चिपचिपा रस निकलता रहता है। ड्रोसैरा प्लांट से निकला यह रस धूप की रोशनी में ओस की तरह चमकता है। नन्हे कीट-पतंगों को यही रस चिपका लेता है और फिर घुंडियां मुड़कर चारों ओर से उसे घेर लेती हैं।

कोबरा प्लांट्स

इसे कैलिफोर्निया पिचर प्लांट के नाम से भी जाना जाता है। यह आमतौर पर कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में पाया जाता है। कोबरा प्लांट अन्य मांसाहारी पौधों से थोड़ा भिन्न है। इसमें पाचक ग्रंथियां नहीं होतीं, बल्कि एक छोटा-सा छेद होता है, जहां से बिना पचा भोजन बाहर निकल जाता है।

सैनड्यूस

सैनड्यूस आमतौर पर दलदली जमीन में उगता है और खूबसूरत रंगों के कारण देखने में इंद्रधनुषी पौधे जैसा लगता है। इसके पत्तों के सिरों पर चिपचिपा और मीठा लिक्विड होता है, जो कीट-पतंगों को आकर्षित करता है। प्लांट अपने टैंटेकल्स में कीटों को जकड़ लेते हैं और 15 मिनट के भीतर ही उसे मार डालते हैं।

डायोनिया

डायोनिया में कीट-पतंगों को पकड़ने वाला फंदा जमीन पर सजी पत्तियां होती हैं। इसका शिकार करने का तरीका भी ड्रोसैरा की तरह ही होता है। यह प्लांट अमेरिका के कई हिस्सों में पाया जाता है। इसे अपना शिकार पचाने में करीब एक हफ्ता लग जाता है।

दिमाग की बत्ती

खून का रंग लाल होता है, क्यों?

हीमोग्लोबिन के कारण खून का रंग लाल होता है। रेड ब्लड सेल्स में हीमोग्लोबिन होता है, आयरन इसका मुख्य घटक है। आयरन ब्लड में ऑक्सीजन होल्ड करने में मदद करता है और जब आयरन और ऑक्सीजन मिक्स हो जाते हैं, तो हिमोग्लोबिन का रंग लाल हो जाता है।

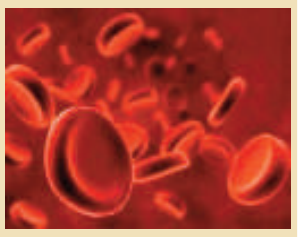
- हमारे शरीर में करीब 5 से 6 लीटर ब्लड होता है, जो एक मिनट में तीन बार पूरे शरीर में सर्कुलेट होता है। यानी एक दिन में ब्लड 19,000 किमी. ट्रैवल करता है।
- रेड ब्लड सेल्स हीमोग्लोबिन के माध्यम से शरीर के विभिन्न हिस्सों को ऑक्सीजन पहुंचाते हैं।
- रेड ब्लड सेल्स या हीमोग्लोबिन की मात्रा में कमी आने से शरीर की कोशिकाओं को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती है, जिसके कारण एनीमिया (खून की कमी) रोग हो जाता है।

रेड ब्लड सेल्स

- रेड ब्लड सेल्स का जीवनकाल 120 दिन का होता है।
- करीब 80 लाख ब्लड सेल्स हर सेकंड मरते हैं और करीब इतने ही नए बनते हैं।
- एक रेड ब्लड सेल को पूरे शरीर का चक्कर लगाने में 20 से 60 सेकंड लगते हैं।

इसलिए है जरूरी

- ब्लड शरीर के तापमान को एक सा बनाए रखता है।
- खून शरीर के विभिन्न भागों से अपशिष्ट पदार्थों को इकट्ठा करके किडनी तक पहुंचाता है।
- पचे हुए भोजन को खून शरीर के विभिन्न भागों की कोशिकाओं में पहुंचाता है।
- ऑक्सीजन को फेफड़ों से शरीर के विभिन्न अंगों की कोशिकाओं में पहुंचानता है।



झील पर तैरता उद्यान



वेनेजुएली की माराकैबो झील इससे बड़ी है, पर वो वास्तविक झील नहीं है।) यहां बड़ी संख्या में वाटर बर्ड्स भी इस झील में रहते हैं। टीटीकाका झील में 41 द्वीप है, इनमें से कुछ पर घनी अबादी है। स्थानीय लोग झील में उगने वाले सरकंडों से बड़ी-बड़ी राफ्ट्स बनाते हैं। वे इन राफ्ट्स को मिट्टी से ढंक देते हैं और उन्हें फ्लोटिंग गार्डन यानी तैरते हुए बाग में बदल देते हैं। वे इन फ्लोटिंग गार्डंस में बींस, मिर्च और दूसरी सब्जियां उगाते हैं। ये फ्लोटिंग गार्डंस सैलानियों के आकर्षण का बड़ा केंद्र हैं।

दक्षिण अमेरिका में पेरू और बोलिविया के बीच एंडीज के ऊंचे पठार पर स्थित लेक टीटीकाका दुनिया की सबसे ऊंची झील है। इसकी समुद्र तल से ऊंचाई 3811 मीटर है। झील 190 किमी. लंबी है और इसकी अधिकतम गहराई 275 मीटर है। 9065 वर्ग किमी क्षेत्र में फैली यह झील दक्षिण अमेरिका की सबसे बडी झील भी है। (हालांकि

सबसे ऊंची राजधानी

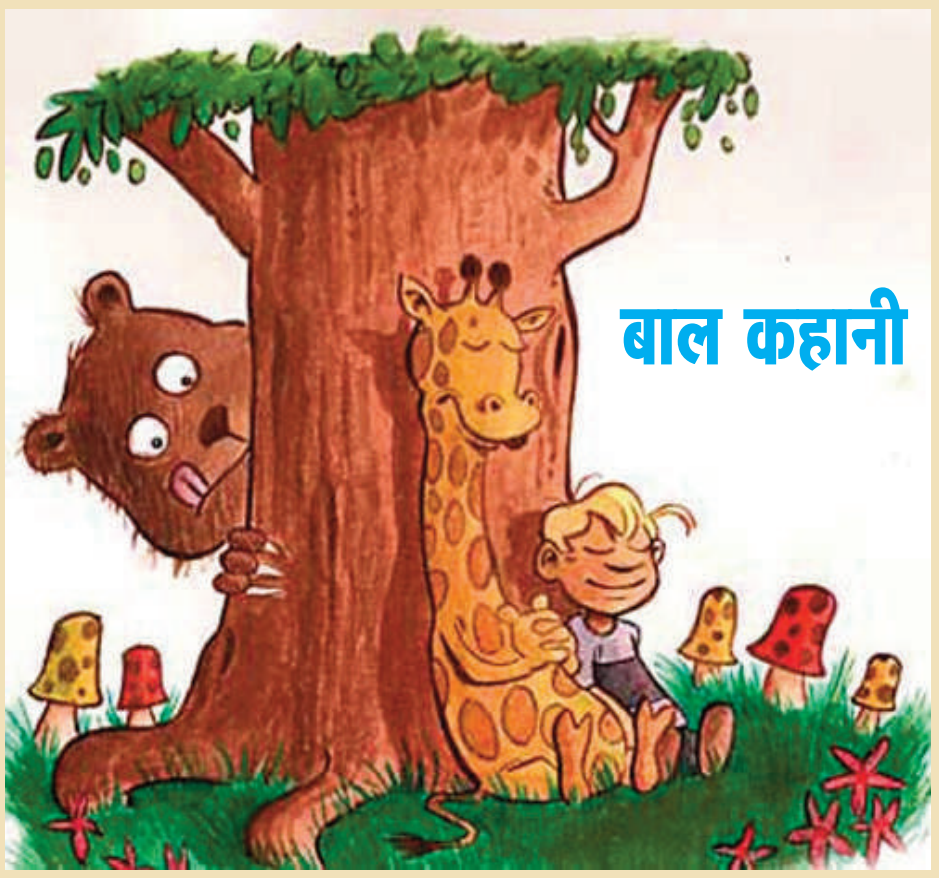


बोलिविया की राजधानी ला पाज को दुनिया की सबसे ऊंची राजधानी होने का मान प्राप्त है। इसकी समुद्र तल से ऊंचाई 3631 मीटर है।

हालांकि यह बोलिविया का सबसे ऊंचा शहर नहीं है। बोलिविया का सबसे ऊंचा शहर ओरूरो है। इसकी समुद्र तल से ऊंचाई 3715 मीटर है। ला पाज की खोज स्पेनिश लोगों ने सन् 1548 में की थी। इसकी अबादी करीब नौ हजार है।

एंडीज पर्वत माला में बोलिविया के कुछ गांव इतनी ऊंचाई पर हैं कि अगर आपको वहां जाना हो, तो आपको अपने साथ ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर जाना होगा। यहां के एक गांव चाचलताया की समुद्र तल से ऊंचाई 5130 मीटर है।

चोरी की सजा



एक गांव में एक बूढ़ा किसान अपनी पत्नी के साथ रहता था। उसका एक छोटासा खेत था। उसमें सब्जियां बोकर और उन्हें बेचकर किसान गुजारा करता था। एक बार किसान ने सोचा कि इस बार वह पूरे खेत में शलगम बोएगा। उसने इस बारे मे अपनी पत्नी से बात की।

पत्नी ने कहा, 'शलगम की फसल अच्छी होगी, तब तो आराम से रह सकेंगे वरना भोजन के भी लाले पड़ जाएंगे।'

किसान ने पत्नी को मेहनत करने का आश्वासन दिया और फसल बो दी। किसान की किस्मत अच्छी थी कि इस बार शलगम की फसल बहुत अच्छी हुई। एक दिन एक बूढ़ा किसान खेत पर गया तो वह यह देखकर हैरान रह गया कि खेत में जगह-जगह शलगम के टुकड़े बिखरे पड़े हैं। किसान की समझ में नहीं आया कि यह कैसे हो सकता है। वह सोचने लगा कि यदि कोई आदमी शलगम चुराता तो पूरी ही उठा ले जाता। शलगम के टुकड़े करके तो किसी ने मेरा नुकसान करने की कोशिश की है। यह काम जरूर किसी दुश्मन का है। सोचते-सोचते वह घर पहुंच गया और अपनी पत्नी से बोला 'मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि हमारी दुश्मनी किससे है?'

पत्नी बोली—'हमारी दुश्मनी तो किसी से नहीं, जरा खुलकर बताओ। बात क्या है ?'' किसान ने सारी बात पत्नी को बताई।

पत्नी बोली—'लगता है तुम्हारा दिमाग बूढ़ा हो गया है, तभी दुश्मन की बात सोच रहे हो। भला हमारा दुश्मन कौन हो सकता है? जरूर कोई जानवर हमारी फसल खा रहा होगा।'

बूढ़े किसान को बात जंच गई और वह रात को पहरा देने खेत पर चला गया। वह हाथ में कुल्हाड़ी लिए खेत के किनारे घास में छिपकर बैठ गया। आधी रात में अचानक भालू आया और शलगम निकालकर कुछ खाने लगा और कुछ फैंकने लगा।

किसान ने आव देखा न ताव, कुल्हाड़ी जोर से भालू की तरफ मारी। कुल्हाड़ी भालू के पिछले पैर में लगी। भालू दर्द से चिल्लाता हुआ लंगडाता जंगल की तरफ चला गया।

उधर, टांग कटने से परेशान भालू किसान से बदला लेने की बात सेचने लगा। वह जंगल में गया और पेड़ से लकड़ी तोड़ कर इसकी चौथी टांग बना ली और ठक-ठक की आवाज के साथ चलने लगा। फिर एक दिन मौका देखकर वह सुबह को किसान के घर पहुंच गया। वह बाहर से गीत गुनगुनाने लगा।

भालू की आवाज सुनकर किसान और उसकी पत्नी थर-थर कांपने लगे। वे जल्दी से दरवाजा बंद करने दौड़े पर भालू भीतर आ चुका था। दोनों लोग डर के मारे अलमारी में घुस गए।

भालू इधर से उधर लंगड़ाता हुआ गाना गाता हुआ घूम रहा था। उसकी लकड़ी की टांग खट-खट की आवाज कर रही था। अचानक उसका लकड़ी की टांग निकल गई और वह अपना संतुलन खो बैठा। भालू घर की सीढ़ियों के पास के तहखाने में जा गिरा। किसान को जैसे ही भालू के तहखाने में गिरने की आवाज आई, उसने अलमारी से निकलकर तहखाने का दरवाजा बंद कर दिया। किसान की पत्नी घर से बाहर आकर शोर मचाने लगी। सारे पड़ोसी इकट्ठे हो गए। सबने मिलकर भालू को मार डाला। अब किसान चैन से रहने लगा।

किंगफिशर



प्रिय बच्चों, आपने अपने आस-पास कई तरह के पक्षी देखे होंगे। आइए आज हम आपको किंगफिशर के बारे में बताते हैं। वैसे तो भारत में नौ प्रकार के किंगफिशर पाए जाते हैं, लेकिन हम आपको आस-पास और अक्सर दिख जाने वाले किंगफिशर्स के बारे में ही बताएंगे। इनमें एक है स्माल ब्लू किंगफिशर और दूसरा वाइट ब्रैस्टेड किंगफिशर।

स्माल ब्लू किंगफिशर

इसका आकार लगभग घरेलू चिड़िया गौरेया जितना होता है। यह नीले-हरे रंग का होता है, मगर इसका सामने धड़ वाला हिस्सा हल्का भूरा होता है। सीधी मजबूत नुकीली चोंच के साथ किंगफिशर के लिए मछली पकड़ना आसान होता है। इसकी छोटी-सी पूंछ होती है। इनमें नर और मादा के फीचर्स लगभग समान होते हैं। अक्सर यह अकेला रहना पसंद करता है। इसे आप पानी के स्रोतों के पास देख सकते हैं, नदियों पोखर, तालाबों आदि के आस-पास के पेड़ों की डालों या तारों पर भी बैठा रहता है। पूरे भारत में स्मॉल ब्लू किंगफिशर मिल जाते हैं। इनका नीड़ बनाने का समय मार्च से जून तक का होता है। यह नदी के आस-पास के एकान्त गर्तों की नर्म जमीन खोदकर एक सुरंगनुमा घोंसला बनाते हैं, जो 50 सैंटीमीटर लंबा होता है तथा अंत में जाकर यह चौड़ा होता है। मादा किंगफिशर एक बार में पांच से सात अंडे देती है। नर और मादा बच्चे पालने के अपने कर्तव्य एकसाथ पूरे करते हैं।

वाइट ब्रैस्टेड किंगफिशर

यह आकार में मैना और कबूतर के बीच का-सा होता है। बेहद प्यारा-सा फिरोजी नीले रंग का इसका शरीर होता है और इसका सिर, गर्दन और धड़ का निचला हिस्सा चॉकलेटी भूरा होता है। जैसा कि इसका नाम है इसके सीने का कॉलर वाला हिस्सा सफेद होता है। इसकी चोंच लाल रंग की, मजबूत, लंबी और नुकीली होती है। जब यह उड़ता है तो अंदर के सफेद पर स्पष्ट दिखाई देते हैं। यह भी ज्यादातर अकेले रहना, शिकार करना पसंद करता है। इसे आप बाग-बगीचों, पेड़ों की बहुतायत वाले स्थानों में, पानी के आसपास या बिना पानी वाले स्थानों में भी देख सकते हो। यह भारत के सभी समतल मैदानों वाले इलाकों तथा कम ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाता है। यह किंगफिशर अक्सर दिख जाता है और यह बहुत अधिक पानी पर निर्भर नहीं रहता। नदी, तालाबों, गढड्डों के अतिरिक्त हल्के जंगलों में भी दिख जाता है, टैलीफोन की तारों पर इसे आप आसानी से बैठा हुआ देख सकते हैं। जब भी इसे रेंगता हुया या पानी में तैरता शिकार दिखता है यह उसके ऊपर मंडराने लगता है और सही अवसर पर झपटकर ले आता है। इसके भोजन में जलीय जन्तुओं मछली, टैडपोल के अलावा ग्रासहॉपर, छोटी छिपकलियां, गिरगिट और अन्य कीड़े शामिल हैं। इसकी आवाज दुहराती हुई चट्‌र्चट्‌चिर्र के एक अनवरत स्वर के रूप में होती है, जोकि यह उड़ते समय करता है। इसका नीड़ समय भी मार्च से जुलाई के मध्य होता है। इसका घोंसला भी आमतौर पर अन्य किंगफिशर्स जैसा, नदी या तालाब के नर्म किनारों पर जमीन के गर्त में सुरंगनुमा ही होता है। यह भी एक बार में 5-7 अंडे देता है। दोनों नर व मादा मिल कर अंडे से बच्चे निकलने तथा उसके बड़े होने और आत्मनिर्भर होने तक अपने सारे कर्तव्य मिलजुल कर निभाते हैं।



क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने पैट कमिंस पर जताया भरोसा, टेस्ट कप्तानी से हटाने की अटकलों पर लगा विराम, बोर्ड ने सर्वसम्मति से किया समर्थन

सिडनी

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के बोर्ड ने पैट कमिंस को टेस्ट कप्तान के रूप में अपना सर्वसम्मत समर्थन दिया है। दक्षिण अफ्रीका के 2018 दौरे से जुड़े विवाद पर फिर से उठे सवालों के बीच बोर्ड की हुई बैठक में कमिंस के नेतृत्व पर भरोसा जताया गया। इस बैठक में क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अध्यक्ष डेविड बून और मुख्य कार्यकारी अधिकारी टाड ग्रीनबर्ग ने सिडनी में कमिंस से मुलाकात की।

बोर्ड की ओर से जारी बयान के अनुसार, बैठक में कमिंस के व्यक्तिगत कल्याण, टीम को आवश्यक सहयोग और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इससे पहले आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा था कि यदि कमिंस को टेस्ट कप्तानी से हटाया जाता है तो उन्हें भी टीम में अपने भविष्य पर विचार करना पड़ेगा।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अध्यक्ष डेविड बून ने कहा कि बोर्ड इस मुश्किल समय में धैर्य और जिम्मेदारी के साथ आस्ट्रेलियाई क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने कमिंस के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है और 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे की घटनाओं से प्रभावित सभी लोगों के प्रति चिंता जताई है।

बून ने कहा कि बोर्ड पिछले आठ वर्षों में कमिंस और टीम के अन्य नेतृत्वकर्ताओं की ओर से विकसित की गई टीम संस्कृति पर गर्व करता है। उन्होंने कमिंस की ईमानदारी पर सवाल उठाए जाने की किसी भी आशंका को स्पष्ट रूप से खारिज किया।

कमिंस बोले- फोरम में रखूंगा अपनी बात

कमिंस ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया की ओर से गठित स्वतंत्र फोरम में शामिल होने की पुष्टि की है। इस फोरम के माध्यम से 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे से जुड़े खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य गोपनीय तरीके से अपनी बात रख सकेंगे।

कमिंस ने कहा कि डेविड बून और टाड ग्रीनबर्ग से बातचीत उनके लिए काफी मायने रखती है। आस्ट्रेलिया का कप्तान होना बड़ी जिम्मेदारी है और वह इसे कभी हल्के में नहीं लेते। उन्होंने फोरम का पूरा समर्थन करते हुए कहा कि वह इसमें शामिल होंगे। उनके संपर्क में रहे खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी अपनी बात रखने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान कई मुश्किल बातचीत होंगी, लेकिन आगे बढ़ने के लिए ऐसा करना जरूरी है। फिलहाल उनका पूरा ध्यान आस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी और पर्थ में होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज पर रहेगा।

9 दिसंबर से शुरू होगी न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज

आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 9 दिसंबर से पर्थ में खेला जाएगा। कमिंस की कप्तानी में आस्ट्रेलियाई टीम इस सीरीज के साथ अपने टेस्ट अभियान को आगे बढ़ाएगी।

न्यूज ब्रीफ

जीएमआर स्पोर्ट्स ने महेला जयवर्धने बनाया क्रिकेट निदेशक, समूह की सभी क्रिकेट फ्रेंचाइजियों का कामकाज देखेंगे

नई दिल्ली। जीएमआर स्पोर्ट्स ने श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर महेला जयवर्धने को नया क्रिकेट निदेशक



बनाया है। इससे अब जयवर्धने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी, आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स और द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव सहित समूह की सभी क्रिकेट फ्रेंचाइजियों का कामकाज देखेंगे। जीएमआर स्पोर्ट्स के क्रिकेट टीम पोर्टफोलियो में, जयवर्धने क्रिकेट आपरेशन, टैलेंट की पहचान, खिलाड़ी विकास और प्रदर्शन प्रबंधन के लिए रणनीतिक दिशा प्रदान करेंगे। वे हर फ्रेंचाइजी में लीडरशिप, हेड कोच और क्रिकेट मैनेजमेंट टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे। समूह की टीमों के बीच ज्ञान, विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए वह हैम्पशायर के क्रिकेट डायरेक्टर जाइल्स व्हाइट के साथ भी बात करेंगे। समन्वय स्थापित करेंगे। यह नियुक्ति दिल्ली कैपिटल्स के लिए बेहद अहम मानी जा रही है। टीम ने लीग शुरू होने के बाद से सभी चार संस्करणों के फाइनल में जगह बनाई है। हालांकि, टीम अब तक खिताब जीतने में नाकाम रही है। जयवर्धने की विशेषज्ञता से उम्मीद है कि टीम इस बार खिताबी सूखे को खत्म कर पाएगी।उन्हें नियुक्ति करने का मुख्य लक्ष्य दिल्ली कैपिटल्स को खिताब जिताना है, जो अब तक हर बार उपविजेता रही है। वहीं अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित जयवर्धने ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स की एक मजबूत पहचान है और महिला क्रिकेट के भविष्य के लिए एक रोमांचक विजन है। मुझे डब्ल्यूपीएल टीम के लिए क्रिकेट निदेशक की भूमिका निभाने को लेकर खुशी हो रही है। मेरा ध्यान टीम को बेहतर बनाने, प्रदर्शन में ज्यादा निरंतरता लाने और यह सुनिश्चित करने पर होगा कि हम लगातार बेहतर होते रहें और टाइटल के लिए मुकाबला करते रहें। जयवर्धने हाल ही में मुंबई इंडियंस के हेड कोच का अपना रोल छोड़ चुके हैं, जिनकी कोचिंग में एमआई ने तीन बार आईपीएल का खिताब जीता था।

मुश्ताक अली ट्राफी : मध्यप्रदेश को आंध्र ने 70 रन से हराया

न्यू चंडीगढ़/इंदौर। सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के एलीट ग्रुप सी मुकाबले में आंध्र ने मध्यप्रदेश को 70



रन से हरा दिया। 187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्यप्रदेश की टीम 18.1 ओवर में 116 रन पर सिमट गई। टीम की हार की वजह शुरुआती बल्लेबाजी का लड़खड़ाना रहा। मध्यप्रदेश ने महज 19 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। आंध्र के सत्यनारायण राजू ने 14 रन देकर चार विकेट लेने के साथ तीन कैच भी पकड़े। उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आंध्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 186 रन बनाए। कप्तान रिकी भुई ने 37 गेंदों में 57 रन की पारी खेली, जबकि शेख राशिद ने 42 गेंदों में 51 रन बनाए। एम. हेमंत रेड्डी ने 17 गेंदों में 34 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। मध्यप्रदेश की ओर से आवेश खान ने तीन और त्रिपुरेश सिंह ने दो विकेट लिए। 187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्यप्रदेश की शुरुआत बेहद खराब रही।

हांगकांग ओपनः सात्विक-चिराग की चुनौती समाप्त, सेमीफाइनल में मलेशियाई जोड़ी से हारे



हांगकांग। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी का हांगकांग ओपन 2026 में सफर समाप्त हो गया है। शनिवार को खेले गए पुरुष युगल सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी को मलेशिया के आठवीं वरीयता प्राप्त मान वेई चोंग और टी काई वुन के खिलाफ सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा। पांचवीं वरीयता प्राप्त सात्विक-चिराग की जोड़ी 40 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 19-21 से हार गई। इस हार के साथ भारतीय चुनौती टूर्नामेंट से समाप्त हो गई। मुकाबले से पहले भारतीय जोड़ी का मलेशियाई खिलाड़ियों के खिलाफ जीत-हार का रिकार्ड 4-1 था, लेकिन इस बार वे अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। पहले गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। स्कोर 12-11 तक बराबर रहा, लेकिन इसके बाद मलेशियाई जोड़ी ने लगातार अच्छे खेल के दम पर 17-12 की बढ़त बना ली। सात्विक और चिराग ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए स्कोर 17-17 कर दिया, लेकिन मलेशियाई खिलाड़ियों ने वापसी करते हुए पहला गेम 21-18 से जीत लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने आक्रामक शुरुआत की और जल्द ही 7-3 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, नेट पर हुई गलतियों का फायदा उठाते हुए मान-टी ने वापसी की और बढ़त अपने नाम कर ली।

गिल-पंत का ऐतिहासिक धमाका

एक ही दिन में दो भारतीय बल्लेबाजों ने रचा इतिहास, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 3,000 रन पूरे करने वाले पहले और दूसरे भारतीय बने





वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट मैच बेसिन रिजर्व मैदान पर खेला जा रहा है। मुकाबले के तीसरे दिन भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 98 रनों की दमदार पारी खेली। हालांकि, वह शतक से महज दो रन दूर रह गए, लेकिन अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। खास बात यह रही कि इसी दिन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में गिल के 3,000 रन

शुभमन गिल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में भारत की ओर से 3,000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 98 रनों की अपनी पारी के दौरान यह मुकाम हासिल किया। गिल ने 146 गेंदों का सामना करते हुए नौ चौके और दो छक्के लगाए।

उन्होंने केएल राहुल के साथ तीसरे विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी की, जबकि ऋषभ पंत के साथ चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। गिल तीसरे दिन के अंतिम ओवर में जैकब डफी की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए और अपने शतक से दो रन दूर रह गए।

ऋषभ पंत भी 3,000 रन के क्लब में शामिल

गिल के साथ विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 3,000 रन पूरे कर लिए हैं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। डब्ल्यूटीसी में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के जो रूट के नाम है, जिन्होंने अब तक 6,815 रन बनाए हैं।

पंत तीसरे दिन अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने महज 55 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। दिन का खेल समाप्त होने तक वह 62 गेंदों में 55 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी पारी में उन्होंने पांच चौके और दो छक्के लगाए।

भारत ने न्यूजीलैंड पर बनाई बढ़त

तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट के नुकसान पर 486 रन बना लिए थे। केएल राहुल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 290 गेंदों में नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 136 रन बनाए।

वहीं, देवदत्त पडिक्कल ने 175 गेंदों का सामना करते हुए 80 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जबकि यशस्वी जायसवाल ने 85 रनों का योगदान दिया।

भारतीय बल्लेबाजों के सामने न्यूजीलैंड के गेंदबाज तीसरे दिन पूरी तरह बेबस नजर आए। पूरे दिन के खेल में न्यूजीलैंड की टीम केवल तीन विकेट ही हासिल कर सकी। इससे पहले न्यूजीलैंड की पूरी टीम अपनी पहली पारी में 368 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी।

इस तरह भारतीय टीम ने तीसरे दिन शानदार बल्लेबाजी के दम पर मुकाबले में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

शोएब अख्तर के बोतल के ढक्कन वाले बयान से क्रिकेट जगत में खलबली



नई दिल्ली

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने क्रिकेट जगत में खलबली मचाने वाला एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि उनके खेलने के दिनों में पाकिस्तानी टीम गेंद की स्थिति बदलने के लिए सैंडपेपर का नहीं, बल्कि बोतल के ढक्कनों का इस्तेमाल करती थी। उन्होंने आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के उस दावे का भी समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने 2018 के आस्ट्रेलियाई बाल टैंपरिंग विवाद को लेकर कहा था कि यह केवल तीन खिलाड़ियों तक सीमित नहीं रहा होगा। शोएब अख्तर ने एक बातचीत के दौरान यह खुलासा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि गेंद की हालत बदलने जैसी चीजें किसी एक या दो खिलाड़ियों के स्तर पर नहीं होतीं, बल्कि टीम के बाकी सदस्यों को भी इसकी पूरी जानकारी होती है। अख्तर ने बताया कि इंग्लैंड में खेलते समय उनकी टीम बोतल के ढक्कनों से गेंद की स्थिति बदलती थी। उन्होंने कहा कि उस समय गेंद के साथ कई तरह की चीजें की जाती थीं क्योंकि रिवर्स स्विंग हासिल करना टीम के लिए बेहद जरूरी होता था और अगर गेंद रिवर्स स्विंग नहीं करती, तो मैच जीतना मुश्किल हो जाता था।

अख्तर ने यह भी कहा कि उस्मान ख्वाजा ने जो बात कही है, उसमें दम है। अख्तर का कहना है कि गेंद से छेड़छाड़ जैसा फैसला केवल कुछ खिलाड़ियों का निजी फैसला नहीं हो सकता; ड्रेसिंग रूम में इस तरह की गतिविधियों की जानकारी पूरी टीम को रहती है। उस्मान ख्वाजा ने अपनी आत्मकथा सब्र में 2018 के सैंडपेपर विवाद को लेकर कई अहम बातें कही हैं। उन्होंने दावा किया था कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उस टेस्ट मैच में गेंद से छेड़छाड़ की योजना के बारे में पूरी आस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। ख्वाजा की इस बात का समर्थन करते हुए अख्तर ने कहा कि टीम में इस तरह का काम कुछ खिलाड़ियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

हालांकि, अख्तर ने इस विवाद को दोबारा उठाए जाने के समय पर सवाल भी किया। उनका मानना है कि सच सामने आ चुका है, इसलिए अब इस मामले को जरूरत से ज्यादा खींचने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि ख्वाजा ने सही बात कही, लेकिन इसे सामने लाने का समय बेहतर हो सकता था।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए बावुमा, मार्करम करेंगे कप्तानी



सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान तेम्बा बावुमा चोटिल होने के कारण बांग्लादेश के खिलाफ 23 नवंबर से शुरु होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। बावुमा का बाहर होना मेजबान टीम के लिए करारा झटका है। एक रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण अफ्रीकी कप्तानी की पिंडली में खिंचाव आया है। उनकी गैरमौजूदगी में एडेन मार्करम टीम की कप्तानी संभालेंगे, जबकि बल्लेबाजी के लिए टोनी डी जार्जी को शामिल किया जा सकता है। बावुमा पहले भी चोटिल होते रहे हैं। उनका करियर लगातार मांसपेशियों, कोहनी और पिंडली की चोटों से प्रभावित रहा है। कप्तानी संभालने के बाद से ही वह संभावित 23 टेस्ट मैचों में से 7 में फिट नहीं होने कारण बाहर रहे हैं। गौरतलब है कि 36 साल के बावुमा ने अंडर-19 क्रिकेट से लेकर अब तक अलग-अलग प्रारूपों में 538 मुकाबले खेले हैं। इतने लंबे और व्यस्त करियर में शरीर पर पड़ने वाले दबाव का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। वांडरर्स में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान बल्लेबाजी करते हुए उन्हें परेशानी हुई थी और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था।

नेपाल को रौंदा... अब पाकिस्तान को धूल चटाने की बारी, 306 रन से जीत के बाद दहाड़े तिलक वर्मा

नई दिल्ली

इंडिया-ए की टीम ने नेपाल को 306 रनों के बड़े अंतर से हराकर एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का धमाकेदार आगाज किया। इस जबरदस्त जीत के बाद अब टीम इंडिया की नजरें पाकिस्तान ए के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले पर हैं, जो 22 नवंबर को खेला जाएगा। नेपाल के खिलाफ भारतीय खिलाड़ियों ने बल्ले और गेंद दोनों से दमदार प्रदर्शन किया। पहले भारत ने कुमार कुशाग्र और कप्तान तिलक वर्मा की शतकीय पारियों से 332 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके बाद प्रिंस यादव और हर्षित यादव ने मिलकर नेपाल को सिर्फ 26 रन पर ही समेट दिया। इस जीत के बाद इंडिया-ए के कप्तान तिलक वर्मा ने अपनी बल्लेबाजी, पिच की चुनौती और टीम के प्रदर्शन को लेकर अहम बातें साझा कीं। तिलक ने कहा कि नेपाल के खिलाफ मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों के सामने रन बनाना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने और कुमार कुशाग्र ने जिस तरह से जिम्मेदारी संभाली, उससे वह काफी खुश हैं। अब पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले को लेकर भी उनका फोकस टीम की बुनियादी रणनीति पर है। नेपाल के खिलाफ मुकाबले में तिलक वर्मा ने अपनी पारी को लेकर संतुष्टि जताई। उन्होंने कहा



कि टीम ने मैदान पर अच्छा प्रदर्शन किया और वह अपनी बल्लेबाजी से काफी खुश हैं। हालांकि, उन्होंने पिच को थोड़ा चुनौतीपूर्ण बताते हुए कहा कि यहां आसानी से रन बनाना संभव नहीं था। तिलक ने कहा, हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। मैं अपनी बल्लेबाजी से बहुत खुश हूं। विकेट थोड़ा चुनौतीपूर्ण था और यहां रन बनाना आसान नहीं था, लेकिन मैंने और कुमार ने जिस तरह बल्लेबाजी की, उससे मुझे काफी गर्व है।

तिलक वर्मा ने अपनी और कुशाग्र की साझेदारी को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि दोनों बल्लेबाजों के बीच लगातार इस बात पर चर्चा हो रही थी कि पिच पर नया बल्लेबाज आते ही आसानी से रन नहीं बना पाएगा। इसलिए दोनों ने ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिके रहने का फैसला किया। दोनों के बीच 206 रन की बड़ी साझेदारी हुई। तिलक ने कहा, मैं और कुमार आपस में चर्चा कर रहे थे कि जो नया बल्लेबाज क्रीज पर आएगा, उसके लिए यहां बल्लेबाजी करना आसान नहीं होगा।

हार्दिक पंड्या के आने से पंजाब किंग्स बेहतर टीम बनी : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली

आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि आलराउंडर हार्दिक पंड्या के आने से टीम संतुलन बेहतर बनाने में हमें सहायता मिलेगी। इसके साथ ही टीम को एक अच्छा बल्लेबाज और गेंदबाज मिला है। जिससे दोनो ही पक्ष मजबूत हुए है। पोंटिंग के अनुसार पंड्या के शामिल होने के साथ ही टीम की सभी कमजोरियां दूर हो गई हैं और वह एक आलराउंड टीम बन गई है।

पंड्या को तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बदले पंजाब किंग्स ने ट्रेड करार के जरिये हासिल किया है। पोंटिंग ने आईपीएल सत्र में टीम की रणनीतियों का खुलासा करते हुए कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य अगले तीन साल के चक्र के लिए टीम के कोर खिलाड़ियों को एकजुट रखना था। इसी रणनीति के तहत ही फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2027 की मेगा नीलामी से पहले छह खिलाड़ियों को रिलीज करने और 19 खिलाड़ियों को बरकरार रखने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि पंड्या को 18 करोड़ रुपये के ट्रेडिंग मूल्य के साथ टीम में शामिल किया गया, जिससे टीम को अप्रत्याशित मजबूती मिली है।

पोंटिंग ने हार्दिक के आगमन से टीम में आए संतुलन पर जोर देते हुए कहा, हमने ट्रेड के जरिए उसे टीम शामिल किया है । इससे अब हमारे पास एक बेहद संतुलित टीम है। हमारी टीम में कितने आलराउंडर हैं, इसको लेकर काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि पंड्या के आने से टीम में आलराउंडर ही आराउंडर हो गये हैं जिनमें मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अजमतुल्लाह उमरजई, सूर्यांश शेडगे, शशांक सिंह और कूपर कोनोली जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल हैं।



मुख्य कोच ने ये भी कहा कि इस बदलाव से पंजाब किंग्स को काफी फायदा होगा। उन्होंने कहा, चाहे वह स्पिन गेंदबाजी करने वाले आलराउंडर हों या तेज गेंदबाजी करने वाले आलराउंडर, हमने लगभग हर विभाग को कवर कर लिया है, जिससे टीम को मैदान पर कई विकल्प मिलेंगे और विभिन्न परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। यह दर्शाता है कि टीम मैनेजमेंट ने दीर्घकालिक सफलता के लिए गहरी योजना बनाई है। वहीं राजस्थान रायल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा ने शिमरोन हेटमायर को रिलीज करने के अपने फैसले पर बात की।

संगकारा ने बताया कि यह फैसला वेस्टइंडीज के इस आक्रामक बल्लेबाज की बल्लेबाजी क्रम में अलग स्थान पर खेलने की इच्छा के कारण लिया गया था। उन्होंने कहा, हमें हेटमायर को रिलीज करना पड़ा। पिछले डेढ़ साल से उनकी इच्छा किसी दूसरे बल्लेबाजी क्रम पर खेलने की रही है। इसमें कोई शक नहीं कि वह अब भी एक शानदार खिलाड़ी हैं। हालांकि, संगकारा ने यह भी स्पष्ट किया कि यह केवल खिलाड़ी की इच्छा का मामला नहीं था, बल्कि टीम की रणनीतिक जरूरतों का भी हिस्सा था।

रामलाल जी सियाग का 101वां अवतरण दिवस



जोधपुर, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

समर्थ सद्गुरुदेव रामलाल जी सियाग के 101वें अवतरण दिवस महोत्सव एवं जन शताब्दी वर्ष समापन समारोह के उपलक्ष्य में अध्यात्म विज्ञान सत्संग केन्द्र, जोधपुर की ओर से 23 और 24 नवंबर को दो दिवसीय विशेष आयोजन किए जाएंगे। इसके तहत 23 नवंबर, सोमवार को नशामुक्ति जागरूकता के लिए विशाल वाहन रैली निकाली जाएगी, जबकि 24 नवंबर, मंगलवार को आश्रम परिसर में भव्य अवतरण दिवस महोत्सव एवं जन शताब्दी वर्ष समापन समारोह आयोजित होगा।

केन्द्र के मीडिया प्रभारी एडवोकेट चन्द्र सिंह ने बताया कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 23 नवंबर को सुबह 10 बजे वाहन रैली निकाली जाएगी। रैली के माध्यम से युवाओं एवं आमजन को शराब, तंबाकू, सिगरेट, अफीम, गुटखा सहित विभिन्न मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही नशामुक्त समाज के निर्माण और स्वस्थ एवं संस्कारवान जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 24 नवंबर को सुबह 11 बजे आश्रम में समर्थ सद्गुरुदेव रामलाल जी सियाग का 101वां अवतरण दिवस एवं जन शताब्दी वर्ष समापन समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इसमें देश-विदेश से हजारों साधकों एवं श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। समारोह में सामूहिक संजीवनी मंत्र जप एवं ध्यान का विशेष आयोजन होगा, जिसके माध्यम से साधक गुरुदेव के प्रति अपनी श्रद्धा एवं समर्पण व्यक्त करेंगे।

एडवोकेट चन्द्र सिंह के अनुसार महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विभिन्न राज्यों एवं विदेशों से आने वाले साधकों के स्वागत, आवास, भोजन, सत्संग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है।

श्री बाल आंजनेय स्वामी मंदिर परिसर में जीण माता-चौथ माता मंदिर का भूमि पूजन संपन्न



हैदराबाद, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारड़पल्ली पिकेट स्थित श्री बाल आंजनेय स्वामी मंदिर परिसर में श्री जीण माता एवं श्री चौथ माता के नवनिर्माणाधीन मंदिरों के लिए भूमि पूजन समारोह श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ।

परम श्रद्धेय एवं श्री जीण माता के अनन्य भक्त सुरेंद्र शाह, पूनम शाह एवं विनीत शाह के पावन सान्निध्य एवं सहयोग से आयोजित इस शुभ अवसर पर विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन का मंगलमय अनुष्ठान संपन्न किया गया।

इस पावन अनुष्ठान को विद्वान आचार्यों ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न करवाया। भूमि पूजन की धार्मिक विधियां संपन्न कराने वाले आचार्यों में पंडित ललित किशोर पाराशर, पंडित कुलदीप तिवारी, पंडित रामलक्ष्मण पाराशर एवं पंडित शम्भू पाराशर शामिल रहे। इस शुभ अवसर पर माँ जीण भवानी एवं माँ चौथ भवानी से प्रार्थना की गई कि दोनों मंदिरों का निर्माण कार्य निर्विघ्न एवं शीघ्र पूर्ण हो तथा समस्त भक्तजनों पर माताजी की असीम कृपा एवं आशीर्वाद सदैव बना रहे। भूमि पूजन के साथ ही मंदिर निर्माण कार्य की मंगलमय शुरुआत हुई।

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को मिली नई गति

सूरत-बिलिमोरा सेक्शन में ओवरहेड विद्युत प्रणाली ऊर्जीकृत, टेस्टिंग का रास्ता खुला



मुंबई, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के सूरत-बिलिमोरा सेक्शन में ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) प्रणाली को 20 नवंबर 2026 को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत कर दिया गया। यह उपलब्धि परियोजना में आगे की परीक्षण गतिविधियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुरक्षा एवं निर्धारित प्रक्रियाओं का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी टीमों की कड़ी निगरानी में छोटे-छोटे सेक्शनों में चरणबद्ध तरीके से विद्युत प्रणाली को ऊर्जीकृत किया जाएगा। इस सेक्शन में एलिवेटेड अलाइनमेंट पर अप और डाउन, दोनों रेल लाइनें शामिल हैं।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर में अत्याधुनिक 2 ÷ 25 किलोवाट विद्युत ट्रैक्शन प्रणाली स्थापित की गई है। यह दुनिया की हाई-स्पीड रेल प्रणालियों में इस्तेमाल होने वाली उन्नत विद्युतीकरण तकनीकों में से एक है। 508 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर में कुल 14 ट्रैक्शन सब-स्टेशन (टीएसएस) स्थापित किए गए हैं। ये सब-स्टेशन राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड से बिजली प्राप्त करेंगे और हाई-स्पीड ट्रेनों के संचालन के लिए ओवरहेड ट्रैक्शन प्रणाली को विद्युत आपूर्ति करेंगे। गुजरात के नवसारी जिले में स्थित बिलिमोरा के पहले ट्रैक्शन सब-स्टेशन में कंट्रोल पैनल, चेंजओवर स्विच, ट्रांसफॉर्मर और सर्किट ब्रेकर भवन में उपकरणों की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है।

गुजरात में स्थित ट्रैक्शन सब-स्टेशनों को गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीईटीसीओ) के 220 किलोवोल्ट अंबेठा ग्रिड सब-स्टेशन से बिजली की आपूर्ति की जाएगी। पूरे विद्युत नेटवर्क की निगरानी एक केंद्रीकृत नियंत्रण केंद्र के माध्यम से की जाएगी, जिससे सुरक्षित एवं विश्वसनीय संचालन सुनिश्चित किया जा सके। सूरत-बिलिमोरा सेक्शन में दोनों स्टेशनों के बीच लगभग 50 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड अलाइनमेंट शामिल है। इस मार्ग पर चार नदियों के ऊपर बने पुल तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-53 (एनएच-53) पर एक स्टील ब्रिज भी शामिल है। आसपास के क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से इस वायाडक्ट पर लगभग 94,000 ध्वनि अवरोधक (नॉइज बैरियर्स) भी लगाए गए हैं।

ओवरहेड विद्युत प्रणाली के ऊर्जीकृत होने के बाद अलाइनमेंट के आसपास रहने वाले नागरिकों, यात्रियों, निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों तथा आम जनता को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। सभी से अपील की गई है कि वे ओवरहेड विद्युत उपकरणों के पास न जाएं, उन्हें छूने का प्रयास न करें और उनके आसपास किसी भी प्रकार का अनधिकृत कार्य न करें। विद्युत प्रणाली में उच्च वोल्टेज होने के कारण ऐसा करना जानलेवा हो सकता है।

संजीविया पार्क मॉर्निंग वॉक एसोसिएशन का दीपावली स्नेह मिलन धूमधाम से संपन्न



हैदराबाद, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संजीविया पार्क मॉर्निंग वॉक एसोसिएशन के तत्वावधान में 18 नवंबर को अन्नपूर्णा बैंक्वेट हॉल में दीपावली स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। जैन रत्न रमेश पी. तातेड, सिरोही के अनुसार, पी.डी. जाखोटिया के संयोजन में आयोजित इस समारोह में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समारोह में आमंत्रित संगीतकारों ने भजन एवं संगीत की शानदार प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। इसके साथ ही दीपावली महा तंबोला, नृत्य-गान एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिनका सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया।

इस अवसर पर सीए अरविंद जैन एवं श्रीमती सुचित्रा बंग का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने दोनों को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की।

समारोह में पी.डी. जाखोटिया, निरंजन गोयल, सीए प्रदीप जैन, सीए अरविंद जैन, अरविंद कामदार, रमेश पी. तातेड, अशोक चौधरी, प्रकाश पारीख, रामगोपाल बंग, कमलेश जैन, रामकिशोर भाई, अशोक दोशी, महेश शाह, राजेश संघवी, कमल राठी, इंदर देवड़ा, ललित भाई, पंकज जैन, राजेंद्र नाहटा एवं बी. सेखानी सहित अन्य सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे।

अंत में सभी ने विशेष भोजन का आनंद लिया और समारोह का समापन हुआ। रमेश पी. तातेड ने आयोजन में सहयोग देने वाली सभी महिलाओं एवं पी.डी. जाखोटिया का सफल आयोजन तथा उत्तम व्यवस्थाओं के लिए आभार व्यक्त किया।

कर्नाटक में पर्सनल लोन वितरण 55% बढ़ा

paisabazaar.com
HAR SAPNA HOGA SACH

गुरुग्राम, 17 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वित्तीय उत्पादों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पैसाबाजार के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस त्योहारी सीजन में कर्नाटक में इंस्टेंट पर्सनल लोन के वितरण में पिछले वर्ष की तुलना में 55 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, देशभर में पैसाबाजार के माध्यम से वितरित इंस्टेंट पर्सनल लोन में 32 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी हुई।

आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश की कुल हिस्सेदारी एक-तिहाई से अधिक रही। 46 से 55 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में लोन वितरण 70 प्रतिशत बढ़ा, जबकि 36 से 45 वर्ष आयु वर्ग की हिस्सेदारी सर्वाधिक 40 प्रतिशत रही। 25 से 35 वर्ष आयु वर्ग की हिस्सेदारी 36 प्रतिशत दर्ज की गई।

पैसाबाजार के सीईओ संतोष अग्रवाल ने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से औपचारिक ऋण प्राप्त करना आसान होने से इंस्टेंट पर्सनल लोन की मांग बढ़ रही है। कंपनी 18 ऋणदाताओं के माध्यम से पात्र ग्राहकों को 7 लाख रुपये तक का पर्सनल लोन उपलब्ध करा रही है। पूरी प्रक्रिया डिजिटल है और ऋणदाता की मंजूरी एवं आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने पर दो घंटे में राशि मिल सकती है।

पुष्कर में अन्नपूर्णा भंडारा

23 एवं 24 नवंबर को श्री अखिल भारतीय दाधीच सेवा ट्रस्ट की ओर से होगा आयोजन

पुष्कर, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पुष्कर मेले के शुभ अवसर पर श्री अखिल भारतीय दाधीच सेवा ट्रस्ट, पुष्कर की ओर से दो दिवसीय वार्षिक अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन 23 एवं 24 नवंबर 2026 को किया जाएगा। इस संबंध में ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं एवं समाजबंधुओं को सादर आमंत्रित किया गया है।

ट्रस्ट की ओर से जारी आमंत्रण के अनुसार, अन्नपूर्णा भंडारा कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी एवं पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित होगा। दोनों दिन प्रातः 9 बजे से रात्रि 10 बजे तक भंडारे की व्यवस्था रहेगी। भंडारे का शुभारंभ सोमवार, 23 नवंबर को प्रातः 9 बजे किया जाएगा।

कार्यक्रम में अजमेर नगर निगम की महापौर श्रीमती अनामिका शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी, जबकि पुष्कर नगर परिषद के सभापति श्री राजेंद्र बाकोलिया कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। ट्रस्ट अध्यक्ष ओमप्रकाश दायमा (निजामाबाद), उपाध्यक्ष श्री वल्लभ दायमा (बीजापुर), उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद पलोड़ (सूरत), संयोजक शरदचंद कोठरिया (अहमदाबाद), मंत्री घनश्याम सूंघवाल (हैदराबाद), कोषाध्यक्ष सूर्यप्रकाश व्यास (इचलकरंजी) तथा सहमंत्री राजेश आचार्य (अजमेर) ने सभी श्रद्धालुओं एवं समाजबंधुओं से कार्यक्रम में पधारकर सेवा कार्य में सहभागी बनने का आग्रह किया है।ट्रस्ट की समस्त कार्यकारिणी, सदस्य एवं न्यासीगण ने कहा कि अतिथियों एवं श्रद्धालुओं के आगमन से आयोजन की गरिमा और उत्साह में वृद्धि होगी। ट्रस्ट की ओर से सभी से अन्नपूर्णा भंडारे में पधारकर प्रसाद ग्रहण करने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मोदी...

युवक इन सवालों का जवाब नहीं दे पाया और केवल अपनी डिग्री की बात करता रहा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब समय बदल रहा है। आने वाले समय में हुनर रखने वाले लोगों की मांग बढ़ेगी। दुनिया के कई देश भारत से कुशल कामगार चाहते हैं। उन्हें केवल विश्वविद्यालयों से पढ़े युवा ही नहीं, बल्कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) से प्रशिक्षित लोग भी चाहिए।

भारतीय कारीगरों के हुनर से बने विदेशों के शहर

प्रधानमंत्री मोदी ने सऊदी अरब, दुबई, अबू धाबी और कतर का उल्लेख करते हुए कहा कि इन देशों के आधुनिक शहरों के निर्माण में भारतीय कारीगरों का बड़ा योगदान है। वहां के शाही परिवार भी भारतीय कारीगरों के हुनर और मेहनत की तारीफ करते हैं।

उन्होंने कहा कि आने वाले 20 वर्ष भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। विकसित भारत का सपना कौशल और हुनर को सम्मान देकर ही पूरा हो सकता है। सरकार ने इसी सोच के साथ कौशल विकास मंत्रालय बनाया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी कौशल विकास पर जोर दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले कॉलेज और विश्वविद्यालय से डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों के लिए ही दीक्षांत समारोह आयोजित होते थे, लेकिन उन्होंने तय किया कि आईटीआई के विद्यार्थियों को भी उसी सम्मान के साथ दीक्षांत समारोह में शामिल किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उन्हें आईटीआई के विद्यार्थियों की उंगलियों में भारत का भविष्य दिखाई देता है। उनके हुनर में देश की ताकत नजर आती है। प्रधानमंत्री ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर जताई जा रही चिंताओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आशंका जताई जा रही है कि एआई से लोगों की नौकरियां जा सकती हैं, लेकिन जिसके पास हुनर है, उसका रोजगार कोई नहीं छीन सकता।

17 लाख से अधिक युवाओं को दिया प्रशिक्षण : योगी

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे युवा प्रदेश है और यहां सबसे अधिक युवा रहते हैं।

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत अब तक 17 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इनमें से सात लाख से अधिक युवाओं को परिसर में चयन प्रक्रिया के माध्यम से नौकरी मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल एवं रोजगार क्षेत्र विकसित कर रही है। यहां युवाओं को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ उद्योगों की जरूरत के अनुसार कुशल कर्मचारी भी तैयार किए जाएंगे।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम के लिए लखनऊ को चुनने पर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश से सांसद होने के नाते उनके लिए भी यह गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हो या औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), दोनों के विद्यार्थी देश की अमानत और भविष्य हैं।

नीतीश...

दोनों नेताओं के एक-दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाने की तस्वीरें भी साझा की गईं। प्रधानमंत्री मोदी ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि नीतीश कुमार से मुलाकात कर उन्हें बहुत खुशी हुई।

कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी प्रधानमंत्री मोदी के साथ कदमताल करते नजर आए। उन्होंने कार्यक्रम के पोस्टर में नीतीश कुमार की तस्वीर नहीं लगाए जाने को लेकर भी अपनी बात रखी। सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह पुल नीतीश कुमार के नाम पर बना है। उन्होंने कहा, लोग चर्चा कर रहे थे कि नीतीश कुमार जी का फोटो नहीं लगा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यह पूरा पुल ही नीतीश कुमार के नाम पर हो गया। सम्राट चौधरी ने कहा कि सब नीतीशमय हो गया है।

इस कार्यक्रम में चिराग पासवान भी मौजूद रहे। उन्होंने नीतीश सेतु को डबल इंजन सरकार का विजन बताया। चिराग ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में लगातार विकास परियोजनाएं पूरी हो रही हैं।

उन्होंने नीतीश कुमार को अभिभावक बताते हुए पुल निर्माण में उनके योगदान की सराहना की। साथ ही कहा कि विकसित भारत का सपना विकसित बिहार के बिना पूरा नहीं हो सकता।

तेजस्वी यादव ने साधा निशाना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को बिहार आने से पहले आईने के सामने खड़े होकर यह सोचना चाहिए कि जिस सेतु का उद्घाटन करने वह आ रहे हैं, उसमें उनका एक कण और फूटी कौड़ी का भी योगदान क्यों नहीं है।

तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री मोदी से बिहार को किए गए वादों और कथित झूठ को फिर से दोहराने की बात भी कही।

चीन ना-पाक...

लेकिन संकट के समय पाकिस्तान को मजबूत करने में मदद की। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन और पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य साझेदारी भारत के सामने दो मोर्चों पर युद्ध की चुनौती बढ़ा सकती है। इससे पहले चीन ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी सहायता दी थी। चीनी सरकारी मीडिया को दिए गए साक्षात्कार में इंजीनियर झांग हेंग ने बताया था कि वह उस टीम का हिस्सा थे, जिसने पाकिस्तानी वायुसेना को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई थी। झांग ने बताया था कि उनकी टीम का उद्देश्य पाकिस्तानी वायुसेना के उपकरणों को उनकी पूरी क्षमता के साथ काम करने योग्य बनाना था। वह पाकिस्तान के पास मौजूद जे-10सीई लड़ाकू विमान की बात कर रहे थे। इससे पहले लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने भी कहा था कि संघर्ष के दौरान चीन ने पाकिस्तान को भारत की सैन्य तैनाती से जुड़ी वास्तविक समय की जानकारी उपलब्ध कराई थी।

सीमा पर भी भारत पर दबाव बना रहा चीन

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन केवल पाकिस्तान की मदद तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय सीमा के पास अपनी सैन्य ताकत भी बढ़ा रहा है। अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों में चीनी सैनिकों के साथ टकराव जारी रहने की बात भी सामने आई है।

भारत और चीन के बीच वर्ष 2024 में पूर्वी लद्दाख में चार साल से चले आ रहे सैन्य गतिरोध को समाप्त करने पर सहमति बनी थी। इसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में सुधार की कोशिश हुई, लेकिन सीमा पर तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

अमेरिकी पैनल के मुताबिक, चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास हवाई पट्टियां, रेलवे और अन्य जरूरी सुविधाएं विकसित कर रहा है। इससे वह जरूरत पड़ने पर अपने सैनिकों और सैन्य साजो-सामान को तेजी से सीमा तक पहुंचा सकता है। चीन हिंद महासागर में भी अपनी नौसेना की मौजूदगी और निगरानी गतिविधियां बढ़ा रहा है।

आर्थिक मोर्चे पर भी भारत को घेरने की कोशिश

अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन भारत पर दबाव बनाने के लिए अपनी आर्थिक ताकत का भी इस्तेमाल कर रहा है। वह जरूरी औद्योगिक सामान, तकनीक और मशीनों की आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने भारत को कुछ जरूरी सामान का निर्यात रोका है। उसने इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण से जुड़े इंजीनियरों को वापस बुलाया और उपकरणों की आपूर्ति भी बाधित की। रिपोर्ट में दवाइयां बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल का भी जिक्र किया गया है। चीन ने इनकी कीमतें काफी कम कर दी हैं, जिससे भारतीय कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो रहा है। बैटरी तकनीक के निर्यात पर चीन के नियंत्रण को भी भारत के लिए चुनौती बताया गया है। इसका असर देश में स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े कार्यों पर पड़ सकता है।

चीन को जवाब देने के लिए भारत-अमेरिका सहयोग पर जोर

अमेरिकी पैनल ने माना है कि भारत अपनी सैन्य ताकत और घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ा रहा है। संवेदनशील क्षेत्रों में चीनी कंपनियों की भूमिका भी सीमित की जा रही है। इसके बावजूद भारत का उद्योग अभी भी कई चीनी मशीनों और पुर्जों पर निर्भर है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को अपनी आपूर्ति शृंखला मजबूत करने के लिए बड़े निवेश, नई तकनीक और समय की जरूरत होगी। इसी वजह से अमेरिकी पैनल ने भारत के साथ सहयोग बढ़ाने की सलाह दी है। इसमें रक्षा तकनीक, समुद्री सुरक्षा, खुफिया जानकारी और विनिर्माण जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

रिपोर्ट का स्पष्ट संदेश है कि एशिया में चीन को संतुलित करने में भारत की भूमिका अहम है। यही वजह है कि चीन भारत की सैन्य और आर्थिक ताकत को बढ़ने से रोकने की कोशिश कर रहा है।

राजनीति...

इसके अलावा सात राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, तीन राष्ट्रीय महामंत्री और सात राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किए गए हैं। पार्टी के अनुसार, ये सभी नियुक्तियां राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर की गई हैं और तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए नेताओं में असम के जोगेन मोहन, ओडिशा की ममता मोहंता, उत्तर प्रदेश के संगम लाल गुप्ता और संगीता बलवंत बिंद शामिल हैं। इनके अलावा महाराष्ट्र के बाबनराव रावजी चौधरी, दिल्ली के सत प्रकाश राणा और बिहार के अर्जुन सहनी को भी यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

तीन राष्ट्रीय महामंत्री और सात सचिव नियुक्त

दिल्ली के गजेंद्र यादव, कर्नाटक के प्रमोद मधवराज और छत्तीसगढ़ के ललित चंद्राकर को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। वहीं, राष्ट्रीय सचिवों की सूची में गुजरात के दशरथजी ठाकोर, तमिलनाडु के टी. वरथराजन, झारखंड के संजीव कुमार, हरियाणा की सरिता जांगिड़, तेलंगाना के कडागांची रमेश, मध्य प्रदेश के वैभव पंवार और बिहार के भीम कुमार साहू को शामिल किया गया है।

भारतीय क्रिकेट और आईपीएल में चहल का शानदार सफर

युजवेंद्र चहल ने वर्ष 2016 में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए पदार्पण किया था। उन्होंने अब तक 72 एकदिवसीय मैचों में 121 विकेट और 80 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 96 विकेट हासिल किए हैं। वर्ष 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ बेंगलुरु में उन्होंने 25 रन देकर छह विकेट झटके थे। इसके साथ ही वह पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पांच या उससे अधिक विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने थे।

वर्ष 2019 के एकदिवसीय विश्व कप में चहल ने आठ मैचों में 12 विकेट लिए थे। वह वर्ष 2024 में टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे।

आईपीएल में चहल मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स की ओर से खेल चुके हैं। वर्ष 2023 में उन्होंने ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़कर आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इसके अगले वर्ष राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वह इस लीग में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने।

अक्टूबर 2026 में चहल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 49 मैचों में 148 विकेट हासिल किए। उस समय चहल ने कहा था कि उन्हें अब भी एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की ओर से दोबारा खेलने की उम्मीद है।

टी-20 क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले पहले भारतीय

राजनीति में प्रवेश से पहले चहल ने क्रिकेट में भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। हाल ही में वह टी-20 क्रिकेट में 400 विकेट पूरे करने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने। उन्होंने यह उपलब्धि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 में हरियाणा की ओर से खेलते हुए तमिलनाडु के खिलाफ हासिल की।

इंदौर के डेली कॉलेज मैदान पर 18 नवंबर को हुए मुकाबले में चहल ने अमित सात्विक को बोल्ड कर अपना 400वां विकेट पूरा किया। इसके बाद उन्होंने आर. साई किशोर और मणिमारन सिद्धार्थ को भी आउट किया। इस मैच में चहल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उनके नाम टी-20 क्रिकेट में 396 विकेट दर्ज थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 22 नवंबर, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

वाईआई हैदराबाद चैप्टर का बाल सुरक्षा सम्मेलन आयोजित

बाल सुरक्षा पर मंथन, जारी किया एक्शन चार्टर

सरकारी अधिकारियों, शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों ने लिया भाग





हैदराबाद, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यंग इंडियंस (वाईआई), जो भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) का एक अभिन्न अंग है, युवा उद्यमियों, पेशेवरों और नेतृत्वकर्ताओं का एक सक्रिय संगठन है। यह संगठन नेतृत्व, कार्य और सकारात्मक प्रभाव के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। वाईआई हैदराबाद युवाओं में नेतृत्व क्षमता, नागरिक जागरूकता और जिम्मेदार नागरिकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लगातार सार्थक मंच उपलब्ध करा रहा है।

डेढ़ लाख लोगों तक पहुंचा

मासूम अभियान

बच्चों के यौन शोषण की रोकथाम, जागरूकता, कार्रवाई और पैरवी के क्षेत्र में कार्यरत वाईआई हैदराबाद की मासूम (मासूम) पहल ने पिछले 10 वर्षों से अधिक समय में डेढ़ लाख से अधिक लोगों तक अपनी पहुंच बनाई है। इस पहल के अंतर्गत व्यक्तिगत एवं डिजिटल सुरक्षा संबंधी शिक्षा, सामुदायिक जागरूकता अभियान, शिक्षकों का प्रशिक्षण, अभिभावकों में जागरूकता तथा मासूम मॉडल स्कूलों के माध्यम से बच्चों की सुरक्षा के लिए एक व्यापक व्यवस्था विकसित की गई है।

विशेषज्ञों ने बाल सुरक्षा पर रखे विचार

आज आयोजित हैदराबाद मासूम शिखर सम्मेलन में सरकारी अधिकारियों, गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), स्कूल प्रशासकों, प्रधानाचार्यों, कॉलेज प्रमुखों और अभिभावकों ने एक मंच पर एकत्रित होकर बच्चों की सुरक्षा को और बेहतर बनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

इस अवसर पर भारतीय फिल्म अभिनेत्री एवं मॉडल पायल राधाकृष्ण, विकास क्षेत्र की नेतृत्वकर्ता अर्चना सुरेश, मनोवैज्ञानिक एवं मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. जे. स्वप्ना रानी, बाल एवं किशोर मनोचिकित्सक डॉ. नित्या नरसिम्हा मूर्ति तथा अधिवक्ता निहाल कोव्वल्ली विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बाल सुरक्षा चार्टर जारी

बदरुका कॉलेज सभागार में आयोजित इस आधे दिन के सम्मेलन का समापन शहर के बाल सुरक्षा चार्टर के विमोचन के साथ हुआ। इस चार्टर में बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पक्षों की ओर से समयबद्ध एवं ठोस प्रतिबद्धताएं निर्धारित की गई हैं। इसमें बच्चों की शारीरिक एवं डिजिटल सुरक्षा, बाल यौन शोषण की रोकथाम तथा कानूनी एवं संस्थागत जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है।

इस पहल का आयोजन वाईआई हैदराबाद की वर्ष 2026 की चेयरपर्सन पूनम अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। इसमें सह-अध्यक्ष रंजीत डोंत्सेट्टी का सहयोग रहा। वहीं, इस कार्यक्रम को वाईआई हैदराबाद की मासूम टीम ने संचालित किया, जिसका नेतृत्व पूजा लालवानी ने किया।

मासूम जैसी पहलों के माध्यम से वाईआई हैदराबाद युवा पीढ़ी को जागरूक, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है, ताकि बच्चे देश के सशक्त और जिम्मेदार भविष्य के रूप में विकसित हो सकें।

आस्था, भक्ति और भव्यता का महासंगम आज से



बेगम बाजार स्थित खेमदास मठ में श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर के पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव (22 से 26 नवंबर) के लिए गणमान्य व्यक्तियों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर राजेश गोयल, अभिषेक अग्रवाल (कश्मीर फाइल्स फेम), लड्डू यादव, प्रेमसिंह राठौड़, राजेश कुमार अग्रवाल (चेयरमैन, आत्म गौरव भवन), श्री श्याम सत्संग समिति, इन्द्रकरण अग्रवाल, पवन गुरु एवं संगीता गोयल को आमंत्रित करते हुए ट्रस्ट के विनय जैन, गिरीश गुप्ता, संदीप जैन, विजेन्दर गोयल, प्रदीप कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

निकलेगी भव्य कलश-निशान शोभायात्रा

भक्तिमय माहौल में सजेगा भाग्यनगर

हैदराबाद, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लंबे समय से प्रतीक्षित श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की शुभ घड़ी आ गई है। रविवार, 22 नवंबर को भाग्यनगर की धरती एक भव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक उत्सव की साक्षी बनेगी। श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ भव्य कलश एवं निशान शोभायात्रा के साथ होगा।

शोभायात्रा का शुभारंभ प्रातः 7:31 बजे चारमीनार स्थित महादेव मंदिर से होगा। वहां से शोभायात्रा गुलजार हाउस, मदन भवन, चार कमान, सूरज भवन, घांसी बाजार, सिटी कॉलेज, भूलक्ष्मी माता मंदिर एवं बेगम बाजार छतरी होते हुए श्री खेमदास मठ (चूड़ी धाम), बेगम बाजार पहुंचेगी।

भव्य झांकियों से सजेगी शोभायात्रा

शोभायात्रा में गाजे-बाजे, आकर्षक झांकियां, भव्य श्रृंगार, रंगोलियां, कलश एवं निशान विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण और धार्मिक उत्साह देखने को मिलेगा। शोभायात्रा के माध्यम से पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का विधिवत शुभारंभ होगा।

धर्मप्रेमियों से सहभागिता की अपील

श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा के इस भव्य आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। अब सभी की निगाहें शोभायात्रा और बेगम बाजार स्थित चूड़ी धाम में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर टिकी हैं।

आयोजकों ने समस्त धर्मप्रेमियों एवं श्रद्धालुओं से अपने परिवार और इष्ट-मित्रों सहित इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन में सहभागी बनकर माँ जीण माता एवं बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप की नियमित अन्नसेवा



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साह एवं सेवाभाव के साथ भाग लेते हुए जरूरतमंदों को अन्नसेवा कर मानव सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना ही सच्चा धर्म है। अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने और उसके जीवन में खुशियां बांटने का पुनीत कार्य है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के निस्वार्थ भाव से समाजसेवा करना और सेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है।

ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि सेवा कार्य में सबसे महत्वपूर्ण भावना, प्रेम और समर्पण है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा के लिए आगे आएगा, तभी एक बेहतर और संवेदनशील समाज का निर्माण होगा।

केबल चोरी के 19 मामले उजागर, आरोपी गिरफ्तार



हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। फ्यूचर सिटी पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तांबे के तार और मोटर केबल चोरी के 19 मामलों का खुलासा करते हुए पूर्वी गोदावरी जिले के इलेक्ट्रिशियन डोड्डी दुर्गा प्रसाद (29) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की रकम के 2 लाख रुपये नकद और चोरी में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद किए। शादनगर थाना क्षेत्र के चटनपल्ली गांव के निकट इंडस टेलीकॉम टावर से करीब 45 मीटर तांबे का तार चोरी होने की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच में आरोपी की संलिप्तता सामने आई। उसके खिलाफ शादनगर में 8, केशमपेट में 3, कोंडुर्ग में 2, जडचर्ला में 2 तथा कोथुर, नंदीगामा, भूतपुर और जगतियाल में एक-एक चोरी का मामला उजागर हुआ।

पुलिस ने दो वायर कटर, वजन मशीन, दो डमी चाबियां, इलेक्ट्रिकल टेस्टर और स्लाइडिंग ब्लेड भी जब्त किए। यह कार्रवाई फ्यूचर सिटी पुलिस आयुक्त डॉ. तरुण जोशी, डीसीपी शादनगर जोन च. शिरीषा राघवेंद्र और एसीपी एस. लक्ष्मीनारायण की निगरानी में की गई। निरीक्षक के. सीताराम, बी. श्रीनिवास, जांच अधिकारी डीएसआई जी. शिवा रेड्डी, एएसआई हारून खान और क्राइम टीम ने अहम भूमिका निभाई। डीसीपी ने लोगों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने तथा गांवों और आवासीय क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील की। पुलिस आरोपी से जुड़े अन्य अपराधों की जांच कर रही है।

महावीर इंटरनेशनल का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

संगीत, नृत्य और मस्ती से सजी यादगार शाम, सदस्यों ने उत्साह से लिया भाग



हैदराबाद, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महावीर इंटरनेशनल का दीपावली मिलन समारोह 20 नवंबर को शाम 7 बजे सिला गार्डन स्थित कैफे में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। जारी प्रेस विज्ञप्ति में मधु सुराणा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष वीर विनोद संचेती ने दीप प्रज्वलित कर किया।

समारोह में उपस्थित सभी वीर एवं वीराओं ने संगीत, नृत्य और मनोरंजक गतिविधियों के साथ दीपावली मिलन का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर चेयरमैन ने सभी आगंतुक वीरों एवं वीर-ाओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी की उपस्थिति, स्नेह और सहयोग से यह आयोजन सफल एवं यादगार बना। साथ बिताए गए खुशनुमा पल सदैव स्मरणीय रहेंगे।

कार्यक्रम की संयोजिका वीरा राखी बाफणा तथा सह-संयोजिकाएं वीरा अर्चना एवं वीरा साधना रहीं। उन्होंने समारोह को सफल बनाने के लिए विशेष मेहनत एवं सहयोग दिया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों के जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ पर वीरा अनिता ने शुभकामनाएं दीं तथा सभी को कैडबरी चॉकलेट प्रदान की गई।

संस्था के अध्यक्ष वीर विनोद संचेती, कोषाध्यक्ष अनिल बोहरा एवं सचिव कल्पना बरलोटा ने सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। अंत में वीरा राखी बाफणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही समारोह का समापन हुआ।



हिमायत सागर स्थित श्री दक्षिणमुखी वीर हनुमान मंदिर में आयोजित अखंड रामचरितमानस पाठ में पाठ करते पंडितगण। पूजा-अर्चना के पश्चात उपस्थित श्री राम सेवा समिति भाग्यनगर के अध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल एवं उपाध्यक्ष पंकज वर्मा। साथ में पंडित लालजी शुक्ला एवं मंदिर के पुजारी विनीत शुक्ला। श्री दक्षिणमुखी वीर हनुमान मंदिर परिसर में रविवार, 22 नवंबर को मध्याह्न 1 से 4 बजे तक भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

बेगम बाजार में राधे-राधे ग्रुप ने श्रद्धा और सेवाभाव के साथ किया अन्नदान

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को अन्नदान कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में सदस्यों ने पूरे उत्साह, श्रद्धा और समर्पण भाव के साथ सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति की महान परंपरा है।



किसी जरूरतमंद को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसके जीवन में खुशियां और संतोष लाने का एक पुण्य कार्य है। मानव सेवा से बढ़कर कोई दूसरा धर्म नहीं है और निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है।

राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य जाति-धर्म और ऊंच-नीच के भेदभाव से ऊपर उठकर जरूरतमंदों की सेवा करना है। ग्रुप द्वारा नियमित रूप से विभिन्न सेवा केंद्रों पर अन्नसेवा के माध्यम से समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को मजबूत किया जा रहा है। सदस्यों ने कहा कि सेवा का वास्तविक आनंद तभी है, जब वह बिना किसी स्वार्थ और दिखावे के प्रेम एवं अपनत्व के साथ की जाए।कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नरेश बंसल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल एवं वेंकट राव सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कांग्रेस की बागियों पर सख्ती की तैयारी

हैदराबाद, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी रविवार को गांधी भवन में आयोजित कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) की संयुक्त बैठक में शामिल होंगे। इस दौरान बी.एम. संदीप औपचारिक रूप से पार्टी के प्रदेश मामलों की जिम्मेदारी संभालेंगे। पार्टी में बढ़ती अनुशासनहीनता और नेताओं एवं विधायकों की ओर से सरकार की सार्वजनिक आलोचना के मद्देनजर इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 7 दिसंबर को कांग्रेस सरकार के तीन वर्ष पूरे होने से पहले मुख्यमंत्री कड़े फैसले ले सकते हैं।

कांग्रेस हाईकमान ने संदीप को पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष को दूर करने और प्रमुख नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों से बातचीत करने का निर्देश दिया है। रविवार की बैठक के बाद वे सोमवार को मंत्रियों, जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों और पीसीसी के विभिन्न संगठनों के अध्यक्षों से मुलाकात करेंगे। 27 नवंबर को हैदराबाद लौटकर सांसदों, विधान परिषद सदस्यों और विधायकों से अलग-अलग बातचीत करेंगे तथा जिलावार पार्टी गतिविधियों की समीक्षा करेंगे।

बागी विधायकों पर नजर

पार्टी की तत्काल प्राथमिकता उन नेताओं पर कार्रवाई करना है, जिनके सार्वजनिक बयानों से सरकार और संगठन की छवि प्रभावित हुई है। मुनुगोडे के विधायक



कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को हाल ही में सरकार और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना के बाद 23 नवंबर को संदीप से मुलाकात करने के लिए हाईकमान का फोन आया है।

राजगोपाल रेड्डी ने मुनुगोडे के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित नहीं करने और कोडंगल सहित मंत्रियों के निर्वाचन क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देने का आरोप लगाया था। उन्होंने मौजूदा हैदराबाद की समस्याओं के बीच फ्यूचर सिटी की आवश्यकता पर भी सवाल उठाते हुए चेतावनी दी थी कि मुनुगोडे की लगातार अनदेखी होने पर एक और कुरुक्षेत्र जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा था कि सत्तारूढ़ दल का हिस्सा होने के बावजूद वे कमियों पर सवाल उठाते रहेंगे।

पीसीसी नेतृत्व के अनुसार, एआईसीसी मुनुगोडे विधायक राजगोपाल रेड्डी और जडचर्ला विधायक जनमपल्ली अनिरुद्ध रेड्डी के बयानों की समीक्षा कर रही है। दोनों विधायकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। पीसीसी ने दोनों के संबंध में रिपोर्ट पहले ही एआईसीसी को भेज दी है।

कांग्रेस में बढ़ती गुटबाजी

प्रदेश कांग्रेस में निर्वाचन क्षेत्रों के विकास, धनराशि जारी करने, ठेकेदारों के बिलों, पार्टी नियुक्तियों और अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं। पेद्दापल्ली के सांसद गद्दम वंशी कृष्ण और मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू के खेमे के बीच राजनीतिक मतभेद भी पार्टी नेतृत्व के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं।

हाल ही में दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा और जुक्कल विधायक लक्ष्मीकांत राव के बीच हुई बहस का मामला भी एआईसीसी के संज्ञान में लाया गया है। पीसीसी ने दोनों नेताओं को गांधी भवन में उपस्थित होने के लिए कहा था, लेकिन वे नहीं पहुंचे। इसके बाद पीसीसी अध्यक्ष ने हाईकमान को रिपोर्ट सौंप दी। रविवार की संयुक्त बैठक में इन विवादों के साथ प्रदेश कांग्रेस में बढ़ते असंतोष के कारणों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

रानीगंज आरयूबी का नवीनीकरण शुरू
6-8 महीने ट्रैफिक डायवर्जन



हैदराबाद, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद के एमजी रोड स्थित रानीगंज जंक्शन पर रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूबी) के बड़े पैमाने पर नवीनीकरण कार्य के चलते 20 नवंबर से यातायात प्रतिबंध लागू कर दिए गए हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, निर्माण कार्य में लगभग 6 से 8 महीने लगेंगे। इस दौरान एमजी रोड, टैंक बंड और कारबला मैदान क्षेत्रों में यातायात प्रभावित रहने की संभावना है।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार, करीब तीन कैरिजवे लेन में 1.5 मीटर तक खुदाई की जाएगी। इसके चलते केवल एक कैरिजवे चालू रहेगा, जिस पर हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) ही चल सकेंगे। रणिगंज से पैराडाइज और बोवेनपल्ली की ओर दोपहिया वाहन, ऑटो और कारों को निर्धारित मार्ग से गुजरने की अनुमति होगी। भारी वाहन, मालवाहक वाहन, ट्रैवल बसें और आरटीसी बसें प्रतिबंधित रहेंगी।

भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग

एसबीआई एक्स रोड्स से आने वाले भारी वाहनों को रसूलपुरा और बेगमपेट की ओर, प्लाजा जंक्शन से आने वाले वाहनों को सीटीओ, रसूलपुरा और बेगमपेट की ओर तथा पार्क लेन जंक्शन से आने वाले वाहनों को पटनी एक्स रोड्स की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

पटनी एक्स रोड्स पर जेबीएस, स्वीकर उपकार, वाईएमसीए और एसबीआई की ओर से आने वाले वाहनों को क्लॉक टावर की ओर तथा क्लॉक टावर से आने वाले वाहनों को एसबीआई एक्स रोड्स की ओर भेजा जाएगा। सीटीसी से पैराडाइज के बीच एसडी रोड पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

सीटीओ जंक्शन पर मेडकचल और बोवेनपल्ली से राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के रास्ते आने वाले भारी वाहनों को रसूलपुरा, मोनप्पा, निरंकारी और लकड़ी का पुल की ओर अथवा एसबीआई एक्स रोड्स, वाईएमसीए, संगीत, रेल निलयम और अलुगड्डाबावी होते हुए मुशीराबाद एवं मेड्चुगुडा की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

रानीगंज जंक्शन के भारी वाहनों को अडैया जंक्शन और डिस्टिलरी रोड से कारबला की ओर भेजा जाएगा। बाइबल हाउस से आने वाले वाहनों को जब्बार कॉम्प्लेक्स और सीजीओ टावर्स होते हुए मुशीराबाद की ओर डायवर्ट किया जाएगा। कारबला जंक्शन पर भी भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। टैंक बंड से रणिगंज की ओर आने वाले वाहनों को सेलिंग क्लब से कावाडीगुडा की ओर भेजा जाएगा।

डीबीआर मिल्स से आने वाले वाहनों के लिए गांधी नगर टी-जंक्शन, कावाडीगुडा और सीजीओ टावर्स के रास्ते वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। ओल्ड अंबेडकर प्रतिमा से आने वाले वाहनों को लिबर्टी, हिमायतनगर, नारायणगुडा और आरटीसी एक्स रोड्स की ओर तथा कट्टा मैसम्मा से आने वाले वाहनों को इंदिरा पार्क और अशोक नगर होते हुए आरटीसी एक्स रोड्स की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

एलएमवी के लिए भी प्रतिबंध, ऊंचाई बैरियर लगेंगे

पैराडाइज और मिनिस्टर रोड से रणिगंज की ओर जाने वाले हल्के वाहनों को डिस्टिलरी रोड से कारबला की ओर भेजा जाएगा। नल्लागुट्टा जंक्शन पर यातायात को नेकलेस रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा। कारबला जंक्शन पर यातायात नियमों के अनुसार कार, ऑटो और दोपहिया वाहनों को अनुमति रहेगी।

पटनी एक्स रोड्स, पैराडाइज जंक्शन, पार्क लेन जंक्शन, रसूलपुरा जंक्शन और कारबला जंक्शन पर अधिकतम 10 फीट ऊंचाई वाले वाहनों के लिए हाइट बैरियर लगाए जाएंगे।

ट्रैफिक पुलिस ने एसबीआई एक्स रोड्स, स्वीमिंग पूल यू-टर्न, प्लाजा जंक्शन, पटनी, पैराडाइज, पार्क लेन, रणिगंज, अडैया, नल्लागुट्टा, घासमंडी, सेलिंग क्लब, कारबला, बाइबल हाउस, सीजीओ टावर्स, चिल्ड्रन्स पार्क, कावाडीगुडा, लेपाक्षी और ओल्ड अंबेडकर प्रतिमा सहित 17 प्रमुख जंक्शनों से बचने की सलाह दी है।पुलिस ने यात्रियों से पहले से यात्रा की योजना बनाने, अतिरिक्त समय लेकर निकलने, वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने तथा यातायात संकेतों एवं पुलिसकर्मियों के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। व्यस्त समय में प्रभावित मार्गों पर अनावश्यक यात्रा से बचने की भी सलाह दी गई है।



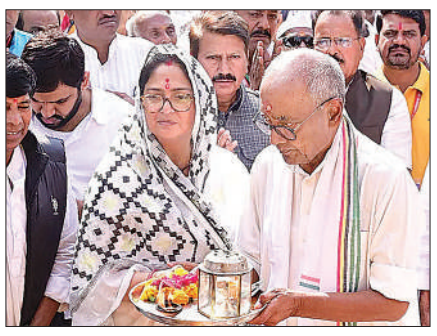
राजस्थान के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटूश्याम जी में बाबा श्याम का जन्मोत्सव मनाते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी।

विहिप सदस्यता अभियान आज से
बालस्वामी की अपील भेदभाव से ऊपर उठकर परिषद से जुड़ें



हैदराबाद, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद के तेलंगाना राज्य धर्माचार्य संपर्क प्रमुख श्री पगुडाकुला बालस्वामी ने सभी हिंदू बंधुओं से जाति, धर्म, वर्ग, वर्ण एवं राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर विश्व हिंदू परिषद से जुड़ने की अपील की है। शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि परिषद की ओर से प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार महितचिंतक सदस्यता अभियानफ चलाया जाता है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के शुभारंभ के बाद इस बार विशेष महत्व के साथ यह अभियान आयोजित किया जा रहा है। सदस्यता अभियान 22 नवंबर से 6 दिसंबर तक चलेगा। उन्होंने सभी हिंदू बंधुओं से मात्र 20 रुपये सदस्यता शुल्क देकर परिषद की सदस्यता ग्रहण करने का आह्वान किया। श्री बालस्वामी ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद केवल धार्मिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा, चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर तथा युवाओं के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण शिविरों का भी आयोजन करती है। इन गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों में राष्ट्रीय भावना और धर्म के प्रति जागरूकता पैदा की जाती है। उन्होंने बताया कि बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी, गोरक्षा, धर्माचार्य संपर्क और सामाजिक समरसता सहित विभिन्न आयामों के माध्यम से परिषद हिंदू समाज की एकता एवं संगठन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विश्वभर के हिंदुओं को एकजुट करने तथा भारतीय संस्कृति, परंपराओं और सनातन धर्म के मूल्यों के संरक्षण के उद्देश्य से यह हितचिंतक सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है।

बागेश्वर सहारे सब हारे!
राजा भैया पर तंज कसते बोले दिग्गी



गुना, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

उज्जैन से अयोध्या तक मसत्य सनातन स्वाभिमान यात्राफ के तहत पदयात्रा कर रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लेकर बड़ा बयान दिया है। साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश के कुंडा से विधायक राजा भैया पर भी कटाक्ष किया है।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि बागेश्वर धाम के महाराज धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री राजा भैया के घर भी रामकथा सुनाने गए हुए हैं, लेकिन जिन-जिन नेताओं ने धीरेंद्र शास्त्री से रामकथा कराई है, वे सभी नेता चुनाव हार गए हैं। दिग्विजय सिंह जब यह बयान दे रहे थे, उस दौरान उनकी पत्नी अमृता सिंह ने उन्हें बीच में टोकने की कोशिश की, लेकिन दिग्विजय सिंह नहीं रुके। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जितनी भी रामकथाएं करवाएगी, वह कांग्रेस के लिए उतना ही हितकारी होगा।

दिग्विजय सिंह ने गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने भगवान राम को लेकर जो बयान दिया है, मैं उसका भरपूर समर्थन करता हूं। यही सनातन धर्म है, जिसके लिए हम यात्रा निकाल रहे हैं।बयान देने के बाद दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह पत्रकारों के लिए सुर्खियां बनाने का काम करेगा। उल्लेखनीय है कि उज्जैन से शुरू हुई दिग्विजय सिंह की पदयात्रा अब उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर चुकी है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव का माहौल है। ऐसे में दिग्विजय सिंह के बयान ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। चुनाव से ठीक पहले उत्तर प्रदेश के कुंडा विधायक राजा भैया की ओर से पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के माध्यम से रामकथा का आयोजन कराया गया था। राजा भैया दिग्विजय सिंह के रिश्तेदार हैं और जयवर्धन सिंह के मामा ससुर हैं। हालांकि, दिग्विजय सिंह को अच्छी तरह पता है कि राजनीति में कोई रिश्तेदार नहीं होता।

रामकथा के माध्यम से समाजवादी पार्टी को घेरने की कोशिश की जा रही है, जो कांग्रेस की गठबंधन सहयोगी पार्टी है। इसी कारण दिग्विजय सिंह ने कुंडा विधायक राजा भैया पर कटाक्ष करते हुए सवाल खड़े किए हैं।

तुलसी विवाह श्रद्धा एवं भक्तिभाव से संपन्न



हैदराबाद, 21 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गच्ची बावली स्थित हिल रिज स्प्रिंग्स के प्रांगण में महिलाओं द्वारा आंवले के वृक्ष के नीचे माता तुलसी एवं भगवान शालिग्राम की पूजा तथा तुलसी विवाह का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। पूजा का संपूर्ण अनुष्ठान वेदा वीणा कुमारी ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ संपन्न करवाया।

इस अवसर पर माता तुलसी को संपूर्ण श्रृंगार सामग्री से सजाकर दुल्हन का रूप दिया गया, वहीं भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप को दूल्हे के रूप में सजाया गया। पूजा में फल, फूल एवं सुगंधित सामग्री अर्पित की गई। विशेष रूप से 365 बत्तियों वाले 12 दीपक प्रज्वलित किए गए। इसके साथ ही सभी महिलाओं ने अपने-अपने दीपक भी जलाए।

कल्याणम भजनों के मधुर गायन के बीच भगवान विष्णु, माता तुलसी एवं माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार तुलसी विवाह संपन्न हुआ। पूजा के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया तथा सभी ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही धार्मिक कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस धार्मिक आयोजन में गीता अग्रवाल, आशा अग्रवाल, वेदा वीणा कुमारी, लक्ष्मी, बालाजी, वीना मदान, अंजना वशिष्ठ, रेणु सूद, शारदा, श्वेता, रानी, सविता, लक्ष्मी, ज्योत्सना एवं झांसी सहित अन्य महिलाओं ने भाग लेकर पूजा-अर्चना की तथा माताजी का आशीर्वाद प्राप्त किया।



होटल अम्यरा में आयोजित आकांक्षा महिला संस्था द्वारा दिवाली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर दिवाली एवं कार्तिक मास के पावन अवसर पर संस्था द्वारा आयोजित सामाजिक कार्यों पर चर्चा की गई तथा सभा में उपस्थित सभी महिला सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। सभा का सफल संचालन सुमन गुप्ता, विनीता एवं ममता ने किया।

इतालवी बूस्टर
ग्लोबल सप्लाई चेन में चमकेगा भारत



नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत और इटली के द्विपक्षीय व्यापार में अगले एक दशक के दौरान ऐतिहासिक उछाल आने की उम्मीद है। विनिर्माण, उन्नत तकनीक और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में बढ़ते सहयोग के बीच दोनों देशों का कारोबार वर्ष 2035 तक 50 अरब यूरो यानी लगभग 5.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच सकता है। हाल ही में आयोजित मइंडिया-इटली बिजनेस फोरमफ में एसोचैम की ओर से जारी रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, मई 2026 में स्थापित विशेष रणनीतिक साझेदारी और जनवरी 2026 में संपन्न भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता से इस लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

भारत में पहले से ही 700 से 800 इतालवी कंपनियों की मजबूत मौजूदगी है। अब ये कंपनियां संयुक्त उपक्रम और तकनीकी हस्तांतरण के माध्यम से घरेलू विनिर्माण तथा रोजगार सृजन को नई गति दे सकती हैं। एसोचैम की इस रिपोर्ट का शीर्षक मइंडिया-इटली : ए टाइमलेस बॉन्ड, ए ट्रांसफॉर्मेटिव पार्टनरशिपफ है। इसके मुताबिक, भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2035 तक 50 अरब यूरो यानी करीब 5.07 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच सकता है। वहीं, दोनों सरकारों ने वर्ष 2029 तक 20 अरब यूरो का अंतरिम लक्ष्य निर्धारित किया है। आंकड़ों के अनुसार, दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार वित्त वर्ष 2016-17 में 8.8 अरब डॉलर था, जो बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 14.4 अरब डॉलर हो गया। इसमें भारत ने 7.8 अरब डॉलर का निर्यात और 6.6 अरब डॉलर का आयात किया। इस तरह भारत ने 1.2 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष बनाए रखा।

एसोचैम के महासचिव सौरभ सान्याल के अनुसार, इटली ने वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर 669 अरब डॉलर का आयात किया। इसमें भारत की हिस्सेदारी वर्ष 2019 के 1.2 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 1.5 प्रतिशत यानी 9.7 अरब डॉलर हो गई है। यह भारतीय निर्यातकों के लिए विस्तार की अपार संभावनाओं को दर्शाता है।

व्यापारिक विस्तार की इस प्रक्रिया में जिन क्षेत्रों को सबसे अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है, उनमें वाहन और वाहन कलपुर्जे, औषधियां, इंजीनियरिंग उत्पाद, विद्युत मशीनरी, रसायन, वस्त्र और सटीक माप उपकरण शामिल हैं।

इसके अलावा पारंपरिक उद्योगों से आगे बढ़कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक, वित्तीय प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, महत्वपूर्ण खनिज और समुद्री परिवहन व्यवस्था जैसे उभरते क्षेत्रों में भी साझा निवेश तथा अनुसंधान की संभावनाएं हैं।

हसीना की वापसी से पहले बांग्लादेश में हिंसा फैली

नई दिल्ली, 21 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी से पहले राजनीतिक तनाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। देश के नाराइल जिले में 50 से अधिक घरों और कई दुकानों में आग लगा दी गई। बताया जा रहा है कि जिन घरों को निशाना बनाया गया, उनमें अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों की संपत्तियां भी शामिल हैं। आगजनी की यह घटना शुक्रवार दोपहर कालिया नगरपालिका के बेंदर चार गांव में हुई। स्थानीय दमकल अधिकारी के मुताबिक, आग में 20 से 25 परिवारों के 50 से अधिक घर जल गए। हालांकि, प्रशासन ने नुकसान का आंकड़ा इससे कम बताया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, यह घटना बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के दो नेताओं की मौत के बाद हुई है। दोनों नेताओं की मौत एक पार्टी जुलूस पर हुए हमले में घायल होने के बाद हुई थी। कालिया अग्निशमन सेवा के अधिकारी हुमायूं कबीर ने बताया कि दमकल विभाग को शुक्रवार शाम करीब चार बजे आग लगने की सूचना मिली थी, लेकिन गांव तक पहुंचने वाले रास्तों पर पेड़ रखे हुए थे। इस वजह से दमकल दल तुरंत मौके पर नहीं पहुंच सका।दमकल दल रात करीब आठ बजे गांव पहुंचा। तब तक ज्यादातर आग बुझ चुकी थी। हुमायूं कबीर के मुताबिक, कम से कम 20 से 25 परिवारों के 50 से अधिक घर जल गए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.